RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की...

वर्ष : 27 अंक : 299 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

हाथ थामा, गले लगाया फूटकर रो पड़ी हरिओम की माँ

मॉब लिंचिंग के शिकार हरिओम बाल्मीकि के परिजनों से मिले राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार की सुबह रायबरेली के ऊंचाहार में मॉब लिंचिंग का शिकार हुए हरिओम वाल्मीकि के परिवार से काफी देर तक मुलाकात की। इस दौरान हरिओम के परिजन राहुल से मिलकर भावुक हो गए। बेटे हरिओम को खोने के बाद परिवार सदमे में है।

परिजनों से मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने संवेदना व्यक्त की और परिवार के सदस्यों का हाथ अपने हाथ में थाम लिया। मार्मिक मुलाकात के दौरान राहुल ने हरिओम के पिता को गले भी लगाया। कांग्रेस नेता के सामने हरिओम की मां फूट-फूटकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उनका हाथ थामकर ढांढस बंधाया। (शेष 3 पर)

बस्तर में 'लाल आतंक' खत्म!

छत्तीसगढ़ में 208 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। शुक्रवार को दंडकारण्य क्षेत्र में 208 नक्सली अपने हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उनके पास कुल 153 हथियार थे, जिन्हें वे सरेंडर कर चुके हैं। इसके बाद इन्हें नई जिंदगी शुरू करने में मदद की जाएगी। इस आत्मसमर्पण से अबूझमाड़ क्षेत्र लगभग पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा। उत्तर बस्तर से लाल आतंक खत्म हो जाएगा। अब सिर्फ दक्षिण बस्तर में कुछ समस्या बची है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को संविधान की पुस्तक भी भेंट की गई।

छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार की मेहनत रंग ला रही है। पिछले दो दिनों में कुल 258 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से 197 और महाराष्ट्र से 61 शामिल हैं। आज का यह सरेंडर दंडकारण्य का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण है। इन नक्सलियों में कई बड़े कमांडर भी हैं। वे जंगलों से निकलकर मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर अब नक्सल मुक्त हैं। सरकार का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को खत्म करना है।

ये हथियार नक्सलियों की ताकत थे, लेकिन अब ये सरकारी हिरासत में हैं। AK-47 और INSAS जैसे हथियार सबसे खतरनाक माने जाते हैं। इनके सरेंडर से सुरक्षा बलों को बड़ी राहत मिली है।

आत्मसमर्पण के दौरान कुल 153 हथियार भी अधिकारियों को सौंपे गए। इन हथियारों में 19 एके-47 राइफल, 17 एसएलआर राइफल, 23 इंसास राइफल, 1 इंसास एलएमजी, 36 .303 राइफल, 4 कार्बाइन, 11 बीजीएल लॉन्चर, 41 बारह बोर/सिंगल शॉट गन और 1 पिस्तौल शामिल है।

शांति और विकास का दौर : साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक दिन कह सकते हैं। आज बहुत बड़ी संख्या में नक्सली हमारे संविधान पर विश्वास करते हुए विकास की धारा से जुड़ने जा रहे हैं। उनका स्वागत है। यह शांति और विकास का नया दौर है। नक्सलवाद हर मोर्चे पर हार रहा है।

प्रदेश के 62 लाख छात्रों को मिल रही है छात्रवृत्ति : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में डीबीटी से करीब पांच लाख युवाओं के खातों में छात्रवृत्ति ट्रांसफर की। सरकार ने पहली बार वित्तीय वर्ष 2025-26 से सितंबर में ही छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहले छात्रवृत्ति के लिए छात्रों के चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। वर्ष 2016-17 में तो अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति ही हड़प ली गई थी पर अब ऐसा नहीं होता है। अब प्रदेश के 62 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल रही है। जब हम सत्ता में (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवक को अधमरा कर झाड़ियों में फेंका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा में हमलावर युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे अधमरा कर झाड़ियों में फेंक दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मोहल्ला अंबेडकर नगर रबूपुरा निवासी मामचंद ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका छोटा भाई सुमित अपने भतीजे अनिकेत विश्व के साथ अनिकेत का जन्मदिन मनाने के लिए सैयद पोखर के पास घूमने गए थे। तीनों लोग वहां खड़े हुए आपस में बात कर रहे थे। इस दौरान युवराज, जीतू, रचित, भारत, अंकित, पवन, सुनील सहित 10-12 अन्य लोग मौके पर पहुंचे और सुमित तथा अनिकेत के साथ गाली-गलौज करने लगे। इस दौरान आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावर युवकों ने लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से अनिकेत पर हमला कर दिया। मारपीट होती देखकर कैलोरी व शिव मौके से भाग निकले जबकि अनिकेत हमलावर युवकों के चंगुल में फंस गया। आरोपियों ने अनिकेत के साथ बुरी तरह मारपीट कर उसे अधमरा कर दिया। इसके बाद वह उसे झाड़ियों में फेंक कर फरार हो गए। आरोपियों ने उसके भाई सुमित के गले से सोने की चेन व उसका (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑटो लोडर में भरे थे पटाखे, तीन गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पटाखों की बिक्री पर रोक लगे होने के बावजूद भी लोग मुनाफा कमाने के लिए चोरी छुपे पटाखे की बिक्री में लगे हुए हैं। वहीं पुलिस भी लगातार इनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के दो थानों की पुलिस ने अलग-अलग स्थान से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है इनके पास से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए हैं। थाना नॉलेज पार्क प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम कैलाश अस्पताल की तरफ से आने वाले कट के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो ऑटो चालक पुलिस को देखकर मुड़कर जाने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों ऑटो लोडर को रुकवा लिया। ऑटो लोडर चालक ने अपना नाम हिमांशु तथा सोनू बताया। ऑटो लोडर की तलाशी लेने पर उसमें से 23 कार्टून पटाखों से भरे बरामद हुए। इन कार्टून में विभिन्न प्रकार के पटाखे भरे हुए थे। दोनों आरोपियों ने बताया कि वह इन (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्रेमिका को बनाया पार्टनर, दिलाया फ्लैट और कार, लेकिन निकली बेवफा

नोएडा (चेतना मंच)। प्रेम में अंधे हुए एक उद्यमी ने प्रेमिका पर अपनी सारी धन दौलत लुटा दी। इसके बावजूद भी प्रेमिका उसकी नहीं हुई। प्रेमिका की बेवफाई से आहत उद्यमी अब उसे जमकर कोस रहा है। प्रेम में डूबे उद्यमी ने अपनी प्रेमिका को कंपनी में पार्टनर बनाया उसे फ्लैट और कार दिलाई। बेवफा प्रेमिका उद्यमी से दो करोड रुपए हड़प कर अमेरिका के एक डॉक्टर से शादी करने की जुगत में लगी है। प्रेमिका की बेवफाई से आहत उद्यमी ने अब उसके खिलाफ थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है।

रायपुर खादर में रहने वाले राकेश चौहान (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी पिछले 15 सालों से बिहार की रहने वाली एक युवती से जान पहचान थी पिछले करीब 13 वर्षों से वह उसके साथ रिलेशनशिप में रह रहा था। इस दौरान उसने उसे अपने व्यवसाय में 50 प्रतिशत का पार्टनर बना लिया। हालांकि युवती ने उसके व्यवसाय में किसी भी प्रकार की धनराशि का कोई निवेश नहीं किया। 12 वर्षों तक वह प्रेमी प्रेमिका के बंधन में बंधे रहे। इस दौरान उसने युवती को अपनी कंपनी में 50 प्रतिशत का पार्टनर बना दिया। राकेश चौहान के मुताबिक युक्ति ने उसे शादी करने का वायदा किया था। इस कारण उन्होंने उसे सेक्टर-79 स्थित मॉडर्न टावर महागुन मीरा विला में एक फ्लैट तथा एक महंगी गाड़ी भी दिलवाई। इनका भुगतान उसके द्वारा ही किया गया था। पीड़ित के मुताबिक जब वह युवती से विवाह के लिए कहता था तो वह कोई ना कोई बहाना बनाकर बात को टाल जाती थी। कुछ समय पूर्व उसने उससे शादी करने से साफ इनकार कर दिया।

राकेश चौहान का आरोप है कि वह उसके प्यार का नाजायज फायदा उठाकर उससे लगातार पैसे ऐंठना शुरू कर दिया। युवती ने साजिश के तहत उसे आश्वासन दिया कि वह उससे ही शादी करेगी और उससे पैसे लेती रही। (शेष पृष्ठ-3 पर)

महिला गिरोह बेच रहा था गांजा, 6 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 6 महिला व एक युवक को गिरफ्तार किया है। इनके पास से गांजा बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी गांजे की बिक्री करते थे। थाना सूरजपुर पुलिस टीम गश्त पर थी। ईटा-1 सेक्टर की तरफ जाने वाले रास्ते की सर्विस रोड पर खड़ी चार महिलाएं पुलिस को देखकर भागने लगी। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने महिलाओं का पीछा कर उन्हें रुकवाया। महिला पुलिसकर्मियों ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

ग्रेटर नोएडा के सीईओ समेत एनएमआरसी की टीम स्विट्ज़रलैंड के दौरे पर

जेवर एयरपोर्ट से मेट्रो नेटवर्क को जोड़ने की लेंगे जानकारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नोएडा, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा तथा दिल्ली से जोड़ने के लिए प्राधिकरण तथा प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में अब नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के अधिकारियों के साथ ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी स्विट्ज़रलैंड का दौरा करने गए हैं। यह अधिकारी मेट्रो की उच्च तकनीक का अध्ययन करके यहां पर लागू करने का प्रयास करेंगे।

ज्यों-ज्यों नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन की तिथि निकट आ रही है, हवाई अड्डे तक यात्रियों के पहुंचने के साधनों को विकसित करने पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। हवाई अड्डे तक नोएडा, दिल्ली और गाजियाबाद से हवाई यात्रियों के निर्बाध आवागमन के लिए सार्वजनिक बसों और मेट्रो के संचालन के लिए अध्ययन किया जा रहा है इसी क्रम में हवाई अड्डे तक नोएडा, दिल्ली व गाजियाबाद से मेट्रो संचालन के अध्ययन के लिए शासन के निर्देश पर नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने अधिकारियों की एक टीम को स्विट्ज़रलैंड भेजा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी के नेतृत्व में एनएमआरसी के तकनीकी विभाग के दो अधिकारियों की यह टीम गत 12 अक्टूबर को गयी थी और 18 अक्टूबर को वापस लौटेगी। सूत्रों के अनुसार यह टीम स्विट्ज़रलैंड में दूरदराज स्थित महत्वपूर्ण स्थानों के बीच मेट्रो जैसे रेल नेटवर्क के संचालन का अध्ययन करेगी। माना जा रहा है कि आगामी एक से दो वर्ष के दौरान गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा वेस्ट तथा नोएडा दिल्ली से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक मेट्रो रेल के एक बड़े नेटवर्क की रूपरेखा दिखाई देने लगेगी।

गौरतलब है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन आगामी दिसंबर माह में होने की संभावना है। इसी के मद्देनजर व्यापक तैयारी की जा रही है।

आरआई विजय कुमार सिंह प्रोन्नत होकर बने एआरटीओ

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-33 स्थित सहायक संभागीय परिवहन विभाग में क्षेत्रीय निरीक्षक (आरआई) के पद पर तैनात विनय कुमार सिंह की शासन ने प्रोन्नति कर दी है। अब उन्हें प्रोन्नत करके सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) बनाया गया है। पदोन्नति की सूचना मिलने पर परिवहन विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों में हर्ष व्याप्त है तथा सभी ने विनय कुमार सिंह को बधाई दी तथा मिठाईयां बांटी।

रजनीकांत मित्तल बने प्रभागीय वन अधिकारी

पीके श्रीवास्तव के तबादले के बाद रिक्त था पद

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में दो सप्ताह से रिक्त चल रहे प्रभागीय वन अधिकारी के पद पर अंततः अब शासन ने नियुक्ति कर दी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गौतमबुद्धनगर में रजनीकांत मित्तल को प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) नियुक्त किया है। मित्तल इससे पूर्व मथुरा के प्रभागीय वन अधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

मालूम हो कि 30 सितंबर को पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के सेवानिवृत्त होने बाद से गौतमबुद्धनगर के वन विभाग में दो सप्ताह से चला आ रहा संकट अब समाप्त हो गया है। वन, जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त सचिव नीरजा सक्सेना ने आदेश जारी करते हुए लिखा कि रजनीकांत मित्तल तत्काल प्रभाव से गौतमबुद्धनगर में प्रभागीय वन अधिकारी के पद पर स्थानांतरित किए जाते हैं।

सीईओ नहीं कर पाएंगे रिटायर्ड कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालिका अधिकारी सीईओ अब सेवानिवृत हुए किसी अधिकारी व कर्मचारी की पुनर्नियुक्ति नहीं कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास विभाग ने एक आदेश जारी करते हुए औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी और अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार वापस ले लिया है। अब अगर कोई नियुक्ति की भी जानी है तो वह शासन स्तर पर स्वीकृति के बाद ही संभव हो सकती है।

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास विभाग का यह आदेश लगातार कर्मचारी और अधिकारियों के रिटायरमेंट के कारण घट रही संख्या की पूर्ति पर ब्रेक लग जाएगा। निश्चित ही उक्त आदेश से प्राधिकरण विभागों में परेशानी बढ़ सकती है क्योंकि नई भर्ती अभी की नहीं जा रही है और रिटायर्ड कर्मचारी और अधिकारियों से कार्य संभव हो पा रहा है। सरकार का यह आदेश निश्चित ही एक समस्या की तरफ इशारा करता है।

एनीमल शेल्टर व सभी गौशालाओं में रोजाना धुलाई की जाए : एसीईओ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-94 स्थित एनिमल शेल्टर तथा सेक्टर-135 स्थित अस्थाई गौशालाओं में रोजाना बाडो की धुलाई करने के निर्देश दिये।

एसीईओ कृष्ण करूणेश, महाप्रबंधक ए.के. अरोड़ा, जनस्वास्थ्य विभाग खंड-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा ने विभिन्न गौशालाओं व एनिमल शेल्टर का दौरा किया तथा कई निर्देश दिये।

इस दौरान एसीईओ कृष्ण करूणेश ने अस्थायी गौशाला सैक्टर-135 के सभी बाड़ों में दिन में एक बार पानी से धुलाई कराये जाने के निर्देश दिये। सैक्टर-135 गौशाला में नन्दी बाड़े के खुले भाग के कुछ हिस्से में खड़न्जा लगाना अवशेष है। खड़न्जा लगाने के कार्य को यथाशीघ्र कराने के निर्देश दिये ताकि गौशाला में सफाई व्यवस्था बनी रहे।

उन्होंने सैक्टर-135 गौशाला में भूसा शेड के गेट की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। एनिमल शैल्टर, सैक्टर-94 में निर्माणाधीन किचन के पास जल भराव पाया गया। उक्त स्थल पर मिट्टी भरकर जल भराव को समाप्त कराये जाने के निर्देश दिये। एनिमल शैल्टर सैक्टर-94 में सभी बाड़ों की दिन में एक पानी से धुलाई एवं साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। एनिमल शैल्टर सैक्टर-94 में आक्रामक तथा घायल डॉग्स को पृथक-पृथक रखे जाने के निर्देश दिये। ग्राम वाजिदपुर के निरीक्षण के दौरान डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन की गाड़ियां नियमित रूप से न जाने के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे मिले।

एसीईओ ने ग्राम वाजिदपुर में डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन की गाड़ियां बढाने तथा गार्बेज पोइन्ट को प्रातः 9 बजे से पहले साफ कराये जाने के निर्देश दिये। ग्राम वाजिदपुर की कुछ नालियों में सिल्ट भरी पायी गई जिसे तली तक साफ कराये जाने के निर्देश दिये गये।

बढ़ती अर्थव्यवस्था

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है, यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025-26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी-भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है। इसके अलावा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये, भारत सरकार को राजकोषीय विवेक बनाए रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ मानव पूंजी, उत्पादकता और नवाचार में निवेश को बढ़ाना होगा। निस्संदेह, हमारा विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी हो। वह देश के लाखों गरीब लोगों को ऊपर उठाने में सक्षम हो, न कि केवल सिर्फ सांख्यिकीय संकेतकों को बढ़ावा देने वाला हो। हमारी आर्थिक यात्रा में निरंतर स्थिरता बनी रहे, इसके लिये देश को आर्थिक सुधार की राह चुननी होगी ।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि नेत्रों के रास्ते श्री रामजी को हृदय में लाकर चतुरशिरोमणि जानकीजी ने पलकों के किवाड़ लगा दिए (अर्थात नेत्र मूँदकर उनका ध्यान करने लगीं)। जब सखियों ने सीताजी को प्रेम के वश जाना, तब वे मन में सकुचा गईं, कुछ कह नहीं सकती थीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-लताभवन तें प्रगट भे तेहि अवसर दोउ भाइ।
तकिसे जनु जुग बिमल बिधु जलद पटल बिलगाइ॥

उसी समय दोनों भाई लता मंडप (कुंज) में से प्रकट हुए। मानो दो निर्मल चन्द्रमा बादलों के परदे को हटाकर निकले हों॥

सोभा सीवँ सुभग दोउ बीरा। नील पीत जलजाभ सरीरा॥
मोरपंख सिर सोहत नीके। गुच्छ बीच बिच कुसुम कली के॥

दोनों सुंदर भाई शोभा की सीमा हैं। उनके शरीर की आभा नीले और पीले कमल की सी है। सिर पर सुंदर मोरपंख सुशोभित हैं। उनके बीच-बीच में फूलों की कलियों के गुच्छे लगे हैं॥

भाल तिलक श्रम बिन्दु सुहाए। श्रवन सुभग भूषन छबि छाए॥
बिकट भृकुटि कच घूघरवारे। नव सरोज लोचन रतनारे॥

माथे पर तिलक और पसीने की बूँदें शोभायमान हैं। कानों में सुंदर भूषणों की छबि छाई है। टेढ़ी भौंहें और घुँघराले बाल हैं। नए लाल कमल के समान रतनारे (लाल) नेत्र हैं॥

(क्रमशः..)

राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया।

लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी।

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग-अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है।

वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

- संतोष कुमार पाठक
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

भ्रष्ट व्यवस्था से कब तक होती रहेंगी निर्दोषों की मौत

राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई। यह पहली बार नहीं है जब देश में स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। इससे पहले भी विदेश में निर्यात की जाने वाली खांसी की सीरिप से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। उस वक्त यदि देश के औषिधी विभाग ने सख्त कदम उठाए होते तो जहरीली सीरप पीने से बच्चों की होने वाली मौतों को रोका जा सकता था।

आश्चर्य की बात यह कि राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकारें मानने से ही इंकार करती रही कि बच्चों की मौतें विषाक्त सीरप पीने से हुई है, जब मृतकों की संख्या बढ़ने लगी तब कहीं जाकर सरकार में बेमन से इस हादसे को स्वीकार किया। छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से 11 बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार किया गया। कंपनी और डॉक्टर पर मामला दर्ज कर सरकार ने सिरप व श्रेसन फार्मा की सभी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया। इसके बावजूद राजस्थान की सरकार नहीं चेती। राजस्थान में भाजपा सरकार बच्चों की मौतों के मामलों में लीपपोती ही करती नजर आई।

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब जांच में कोल्ड्रिफ सिरप में 46.2त्न डायएथिलीन ग्लाइकॉल की पुष्टि हुई। यह जहरीला केमिकल किडनी फेलियर का कारण बनता है। वहीं, नेक्स्ट्रो-डीएस और मेफटॉल पी सिरप की रिपोर्ट सुरक्षित आई। केंद्र सरकार ने बच्चों को कफ सिरप देने में सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस मामले की गहराई से जांच करने के लिए केंद्र और राज्य की एजेंसियों ने मिलकर एक बड़ी पड़ताल की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि जिन कफ सिरप पर संदेह था, उनमें कोई भी जहरीला रसायन नहीं मिला है। जांच अभी पूरी नहीं हुई है और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल जारी है।

यह पहला मामला नहीं जब कफ सीरप से मौतों को लेकर बवाल मचा है। साल 2022-23 में गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी भारतीय कफ सिरप्स से बच्चों की मौत हुई थी। गाम्बिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन मौतों को सिरप से जोड़ते हुए कहा था कि दवाओं में विषाक्त पदार्थों का स्तर अस्वीकार्य पाया गया है। इसका मेडेन फार्मास्युटिकल्स और भारत सरकार दोनों ने इसका खंडन किया था। भारत ने कहा था कि घरेलू स्तर पर परीक्षण के दौरान सिरप गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए।

उज़्बेकिस्तान सरकार ने दिसंबर 2022 में 65 बच्चों की जान लेने वाले दूषित कफ सिरप वितरित करने वाली कंपनी पर देश के अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण से बचने के लिए स्थानीय अधिकारियों को 33,000 डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। कंपनी ने आरोपों से इनकार किया था। इसी तरह दिसंबर 2022 में नेपाल ने 16 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में डाली गई 16 कंपनियाँ इन दावों का कोई जवाब नहीं दिया है। वर्ष 2013 में रैनबैक्सी ने एक अमेरिकी अदालत में आपराधिक अपराध के सात मामलों में दोषी ठहराया और 50 करोड़ डॉलर (44.5 करोड़ पाउंड) का जुर्माना भरने पर सहमति जताई, तब भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने दावा किया था कि निहित स्वार्थ भारत में विनिर्माण गुणवत्ता को लेकर छिटपुट मुद्दे उठा रहे हैं।

भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत करने वाले केवल अमेरिकी और यूरोपीय देश ही नहीं थे। 2014 में, वियतनाम ने 45 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया और उसके बाद 2016 में 39 और कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। श्रीलंका, घाना, नाइजीरिया और मोज़ाम्बिक ने भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत की थी। इन मामलों में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया थी कि प्रतिस्पर्धी भारतीय कंपनियों को बदनाम करने की विदेशी दवा कंपनियों की साज़िश के रूप में चित्रित करने की रही है। हमारे देश में भारतीय सरकारी प्रयोगशालाओं में दवाओं के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के हज़ारों मामले सामने आए हैं। यह आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज है। भारत सरकार द्वारा संचालित एक डेटाबेस में 8,000 से ज़्यादा ऐसी दवाइयाँ सूचीबद्ध हैं जो गुणवत्ता परीक्षणों में विफल रहीं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्यातक है, जो विकासशील देशों की अधिकांश चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है। लेकिन यह आरोप कि इसकी दवाओं ने गाम्बिया जैसी त्रासदी पैदा की है और उज़्बेकिस्तान तथा अमेरिका जैसे अन्य देशों में भी विनिर्माण पद्धतियों और गुणवत्ता मानकों पर सवाल खड़े किए गए। तब भारत ने कंपनियों के लिए निर्यात से पहले कफ सिरप के नमूनों की सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं में जाँच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए थे। मार्च 2023 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत ने 25.4 अरब डॉलर (20 अरब) मूल्य की दवाइयाँ निर्यात कीं। इनमें से 3.6 अरब डॉलर अफ्रीकी देशों को निर्यात की गईं। गाम्बिया विवाद और कथित रूप से विषाक्त या अप्रभावी दवाओं के अन्य मामलों के बावजूद, यह उद्योग फल-फूल रहा है।

सवाल यही है कि आखिर राजनीतिक दल और सरकारें कब तक यूं ही लोगों को भ्रष्ट व्यवस्था का शिकार बनते हुए देखती रहेंगी। किसी एक घटना के स्मृति से विलुप्त होने के बाद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति आखिर कब थमेगी। देश में इतने कानून होने के बावजूद ऐसी घटनाएं कैसे होती हैं। राजनीतिक दलों को निहित स्वार्थों से हट कर इस पर सोचने की जरूरत है कि आम लोगों के जीवन को कब तक इस तरह लालफीताशाही और भ्रष्टाचार के हवाले कर दाव पर लगाया जाता रहेगा।

-योगेन्द्र योगी

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक लें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
गृह कलह के बड़े संकेत हैं। घरेलू चीजों को शांत होकर निपटाएं। भौतिक सुख-संपदा की वस्तुएं खरीदने में प्रॉब्लम होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नाक, कान, गला की परेशानी होगी। व्यावसायिक थोड़ी उथल-पुथल होगी। स्वंय के स्वास्थ्य पर और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शारीरिक और मानसिक उथल-पुथल बनी रहेगी। प्रेम, संतान की स्थिति फिर भी ठीक है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, पार्टनरशिप प्रॉब्लम, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता। प्रेम, संतान अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन के आवक मतलब नए धन के स्रोत्र और पुराने स्रोत्र में उथल-पुथल रहेगा, लेकिन नुकसान नहीं होगा लाभ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
सरकारी तंत्र से थोड़ा सा उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वंय के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
अपमानित होने का भय रहेगा। भाग्य साथ नहीं देगा। यात्रा बहुत अच्छी नहीं रहेगी। प्रेम, संतान ठीक है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गु, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
नौकरी-चाकरी में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कुछ नुकसान संभव है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा। प्रेम, संतान पर ध्यान दें। स्वास्थ्य मध्यम है।

सपा कार्यालय पर हुआ एमएलसी प्रत्याशियों का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अगले वर्ष होने वाले विधान परिषद सदस्य चुनाव स्नातक एवं शिक्षक की तैयारी को लेकर गुरुवार को समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में विधान परिषद सदस्य चुनाव स्नातक एवं शिक्षक के लिए अधिक से अधिक संख्या में पार्टी के समर्थकों के वोट बनवाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मेरठ खंड निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी से विधान परिषद सदस्य स्नातक के प्रत्याशी एडवोकेट परमेंद्र भाटी एवं विधान परिषद सदस्य शिक्षक के प्रत्याशी डॉक्टर नितिन तोमर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि विधान परिषद चुनाव में विजय हासिल करने के लिए सभी कार्यकर्ता को गांव-गांव जाकर पार्टी समर्थकों की वह तो बनवाने का काम पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ करें और अधिक से अधिक लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का कार्य करें। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य स्नातक के प्रत्याशी एडवोकेट प्रर्मेंद्र भाटी ने कहा कि कार्यकर्ताओं को स्नातक चुनाव के लिए अधिक से अधिक लोगों से जनसंपर्क कर वोट बनवाने के लिए प्रेरित करना होगा।

इस मौके पर विधान परिषद सदस्य शिक्षक के प्रत्याशी डॉ नितिन तोमर ने कहा कि एक शिक्षक का देश के भविष्य निर्माण में बड़ा योगदान होता है। ऐसे में विधान परिषद सदस्य शिक्षक चुनाव अति महत्वपूर्ण है। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर, पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सिंह यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी, एडवोकेट रामशरण नागर, कृष्ण चौहान, मेहंदी हसन, सुनीता यादव, शशि यादव, सुरेंद्र नागर, विपिन सेन सुभाष भाटी, जुगती सिंह, अमित रोनी, अक्षय सिंह भाटी, रोहित मत्ते गुर्जर, दीपक नागर, गुलशन, अनीता चौहान, हैप्पी पंडित, सुनील बदौली, जगत खारी, विपिन नागर, गजेंद्र यादव, विजेन्द्र चौहान, योगेश गौतम, सुमित पंडित, हारून सैफी, संजीव नागर, राहुल आर्यन, तेजपाल तोमर, सोनू सेन, करतार चौहान, अनिल नागर, प्रतीक भाटी, संजीदा बेगम, , मयंक गौतम, मास्टर चमन नागर, पवन जोगी, राशिद सिद्दकी, वीरपाल नागर, रोहिन गौतम, जावेद अंसारी, जय सिंह चंदेल, मनोज नागर, मंसूब रिजवी, विजेंदरी, पूजा, अनीसा खान, विजय यादव आदि मौजूद रहे।

दीपावली पर मिलावटी मिठाइयां बिगाड़ सकती हैं सेहत : डॉ. रश्मि गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली पर मिठाइयों की बढ़ती मांग के साथ मिलावटखोरी का धंधा भी तेजी पकड़ लेता है। बाजारों में सस्ती और आकर्षक मिठाई ग्राहकों को लुभाती हैं। लेकिन इनमें मिलावट का जहर छिपा होता है। यह मिठाई न केवल स्वाद खराब करती हैं। बल्कि शरीर के लिए बेहद हानिकारक होती हैं।

फेलिक्स हॉस्पिटल की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि त्योहारों के दौरान मिठाई की खपत कई गुना बढ़ जाती है। व्यापारी सीमित समय में अधिक मुनाफा कमाने की कोशिश में घटिया और नकली सामग्री का इस्तेमाल करने लगते हैं। असली मावा (खोया) की जगह सिंथेटिक मावा या स्टार्च, साबुन ऑयल और दूध पाउडर का मिश्रण। चांदी का वर्क असली न होकर एल्यूमिनियम या टिन से बना होता है।कृत्रिम रंग और एसेंस जो जहरीले केमिकल से तैयार किए जाते हैं। घी और तेल में मिलाया गया रीसाइकल्ड या बासी तेल, जिससे मिठाई अधिक समय तक दिखने में ताजा लगे। इसी तरह शुगर सिरप में सैकरिन या ग्लूकोज पाउडर मिलाकर मिठाई को ज्यादा

मीठा और चमकदार बनाया जाता है। इन सब कारणों से मिठाई देखने में सुंदर लगती हैं, पर सेहत के लिए यह धीमा जहर बनती हैं।

मिलावटी मिठाइयों से होने वाली बीमारियां

त्योहारों पर मिलावटी मिठाइयों का सेवन कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है। इससे फूड पॉयजनिंग। होता है। दूषित सामग्री और खराब तेल से उल्टी, दस्त और बुखार की समस्या होती है। इसी तरह लीवर और किडनी डैमेज भी हो क्या है। नकली मावा व रंगों में मौजूद केमिकल अंगों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाते हैं।

हार्ट डिजीज का खतरा रहता है। घटिया घी और ट्रांस फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता हैजिससे दिल के रोग का खतरा बढ़ता है। त्वचा रोग और एलर्जी होती है। कृत्रिम रंगों से त्वचा पर खुजली, जलन या लाल चकत्ते होते हैं। ब्लड डिसऑर्डर हो सकता है। कुछ सिंथेटिक कलर जैसे मेटानिल येलो, रोडामाइन बी रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में कमजोरी होती है। जहरीले पदार्थ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करते हैं। बच्चों का पाचन तंत्र कमजोर होता है, इसलिए उन्हें खुली मिठाई न खिलाएं। गर्भवती महिलाएं और बुजुर्ग के लिए मिलावटी मिठाइयों के टॉक्सिन्स से शरीर जल्दी प्रभावित होता है। शुगर और हार्ट पेशेंट के लिए मिलावटी मिठाई ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल स्तर को खतरनाक स्तर तक बढ़ा सकती हैं।

ये लक्षण दिखें तो डॉक्टर से संपर्क करें

- लगातार उल्टी, पेट दर्द या दस्त
- त्वचा पर खुजली या लाल चकत्ते
- थकान, चक्कर या मुंह में कड़वाहट
- आंखों या त्वचा का पीला पड़ना (लीवर डैमेज का संकेत)
- सांस लेने में दिक्कत या बुखार

कैसे करें बचाव

- केवल विश्वसनीय ब्रांड या प्रमाणित दुकानों से मिठाई खरीदें।
- खुले में रखी मिठाई या बहुत सस्ती मिठाई से बचें।
- मिठाई खरीदते समय पैकिंग डेट अवश्य देखें।
- मिठाई घर पर बनाना सबसे सुरक्षित तरीका है।
- बच्चों को अधिक मात्रा में बाजार की मिठाई न दें।
- शक होने पर स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत करें।
- मिथाई के विकल्प के रूप में सूखे मेवे, गुड़, नारियल लड्डू या घर के बने पकवान चुनें।

भाकियू (छोटूराम) संगठन का हुआ विस्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच) भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम का संगठन विस्तार एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस डेल्टा-2 प्रदेश सचिव प्रमोद भाटी के आवास पर हुई। जिसमें राष्ट्रीय महासचिव अजय प्रमुख प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इलम सिंह नागर को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया। विनोद राठी को प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र चौधरी और संजय भाटी को प्रदेश सचिव प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई। श्याम सिंह चौधर हरीराज चौधरी हरवीर, दलवीर चौधरी, आदि को सदस्यता दिलाई गई।

इस मौके पर सत्यवीर गुर्जर नेताजी सलारपुर पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, ललित भाटी, जिला अध्यक्ष, विनेश रावल प्रदेश सचिव, फुरकान आदि मौजूद रहे।

आगामी 24 अक्टूबर को बेरोजगारी के मुद्दे पर संगठन जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगा। एयरपोर्ट के उद्घाटन करने पर भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम पूरे दमखम के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों के बच्चों को बेरोजगारी आदि मुद्दे पर ज्ञापन देने का काम करेगा।

प्राधिकरण की जमीन पर खड़ी कर दी बहुमंजिला इमारत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी कितना भी भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते रहें, लेकिन भू-माफिया यहां पर वही कहावत चरितार्थ कर रहे हैं कि तू डाल-डाल तो मैं पात पात। कुलेसरा के हिंडौन नदी के पुस्ता के बगल में सुत्याना गांव में एक भू-माफिया ने प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा कर चार मंजिला इमारत खड़ी कर दी, लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्थानीय कर्मचारियों को इसकी भनक भी नहीं लगी।

आखिर, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी ऐसे ही कुंभकर्णी नींद सोते रहेंगे तो प्राधिकरण की खाली पड़ी जमीन 1 इंच भी जिले में बच नहीं पाएगी। जिस तरह से भू-माफिया ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए जमीनों को घेरकर उस पर प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी के साथ-साथ बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी करने का अभियान चला रखा है, यह भू-माफिया अभी हाल ही में प्राधिकरण की जमीन बेचने एवं उस पर कब्जा करने के आरोप में जेल भी जा चुका है।

अभी जैसे ही वह जेल से छूटा, वैसे ही अवैध रूप से जमीन घेरने का काम शुरू कर दिया। अब देखना है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी इस अवैध इमारत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर चलवाते हैं या नहीं। या तो भविष्य के लिए है, लेकिन कुलेसरा में तैनात प्राधिकरण की भूमिका पूरी तरह से संतृप्त है।

चित्रांगना लान में संपन्न हुई आत्मनिर्भर भारत संगोष्ठी

भदोही (चेतना मंच)। चित्रांगना लान में भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत से संबंधित संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अनामिका चौधरी, प्रदेश मंत्री, रही।

मुख्य अतिथि अनामिका चौधरी ने कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार चल रही है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ महाराज ने दिवाली के अवसर पर जनता को तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दिवाली के दौरान सावधानी बरतें और त्योहार को हर्षोल्लास और सौहार्द की भावना के साथ मनाएं।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दिवाली सभी लोग स्वदेशी अपनाएंगे, स्वदेशी का सम्मान करेंगे और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम में नम्रता चौरसिया, प्रियंका दुबे, मनीषा अम्बड, पूनम गुप्ता, सुषमा मालवीय सहित भाजपा की तमाम कार्यकर्ता और महिलाएं उपस्थित रही।

पृष्ठ एक के शेष....

युवक को अधमरा...

आईफोन भी छीन लिया। झगड़े की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और बेहोश पड़े अपने भतीजे को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। अनिकेत को शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने के कारण उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट एससी एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

ऑटो लोडर में भरे...

पटाखों को दिवाली पर बेचने के लिए लाए थे। पुलिस ने पटाखों को जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया पकड़े गए पटाखों की कीमत लाखों रुपए है। वहीं थाना दनकौर पुलिस ने भी चोरी छुपे पटाखे बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।इसके पास से 16 कार्टून में भरे हुए पटाखे बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि दनकौर के घड़ी मोहल्ले में एक व्यक्ति चोरी छिपे पटाखे बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम नालंदा पीजी मोहल्ला गढ़ी की तरफ चल दी। पटाखों से भरा कार्टून ले जा रहा एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे विरासत में ले लिया पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम त्रिलोक चंद बताया। पुलिस ने इसके निशानदेही पर एनसीआर में प्रतिबंधित विभिन्न प्रकार के पाठकों से भर 16 कार्टून बरामद किए। पकड़े गए त्रिलोक चंद ने बताया कि वह दिवाली पर बिक्री करने के लिए इन पटाखों को लाया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

महिला गिरोह बेच रहा...

महिलाओं के तलाशी ली तो उनके पास से 4 किलो 470 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में महिलाओं ने अपने नाम इंद्रा देवी, गीता, उर्मिला उर्फ लालमुखी तथा मीना बताया। पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि एक व्यक्ति उन्हें दिल्ली की तरफ यमुना के किनारे आकर गांजा देकर जाता है। गांजा की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर वह मजदूर तथा ऑटो वालों को बेचते हैं। वह पिछले काफी समय से अवैध रूप से गांजे की बिक्री कर अपना जीवन यापन कर रही हैं। पकड़ी गई महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

थाना सूरजपुर पुलिस ने जूनपत गोल चक्कर के पास गांजे की बिक्री कर रही दो महिलाओं को हिरासत में लिया। इनके पास से 2 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़ी गई महिलाओं ने अपने नाम सीमा पत्नी नवरंग व गीता पत्नी बताया। पकड़ी गई दोनों महिलाओं ने बताया कि वह गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर उन्हें नशे के आदि लोगों को बेचती हैं।

थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर होटल पार्क एसेंट के पास से एक युवक को हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से 4 किलो 172 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम ऋषभ पांडे निवासी जमशेदपुर झारखंड बताया। आरोपी ने बताया कि वह गांजे की बिक्री करता है। पुलिस के मुताबिक मादक पदार्थ के साथ पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

प्रेमिका को बनाया...

युवती उससे अब तक करीब 2 करोड रुपए ले चुकी है। पीड़ित का कहना है कि फरवरी माह 2025 में युवती ने उसके साथ बेवजह लड़ाई झगड़ा करना शुरू कर दिया। उसने जब खोजबीन की तो पता चला कि वह किसी डॉक्टर से शादी करने की फिराक में हैं। उसने जब युवती से बात की तो उसने दोबारा उससे शादी करने से इनकार कर दिया। इस पर उसने अपने पैसे वापस मांगे तो उसने देने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित के मुताबिक उसने थाना सेक्टर 126 में युवती के खिलाफ शिकायती पत्र दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसके बाद उसने न्यायालय में पत्र देकर युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई।

न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद थाना सेक्टर-126 पुलिस को मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रदेश के 62 लाख ...

आए तो तय किया कि छात्रों को वर्ष के अंत में नहीं बल्कि दो बार में छात्रवृत्ति दी जाए। जो कि अब संभव हो रहा है। यह बदली हुई व्यवस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है जिससे कि छात्र-छात्राओं को कहीं भी भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों से स्कूल जाने की अपील की और कहा कि पढ़ाई जरूर करें। इससे पूरा समाज बदलेगा।

पहले चरण में लगभग 62.13 करोड़ रुपये कक्षा 9 से 12 तक के 2.5 लाख ओबीसी छात्रों को दिए जा चुके हैं। दूसरे चरण में शुक्रवार को 126.68 करोड़ रुपये 4.83 लाख से अधिक छात्रों को दिए गए।

इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार यूपी सरकार अब ई गवर्नेंस से ईजी गवर्नेंस की तरफ बढ़ रही है।

हाथ थामा, गले...

शुक्रवार सुबह जब कांग्रेस नेता मृतक हरिओम के घर पहुंचे तो शोकाकुल परिवार सदमे में डूबा था। राहुल गांधी ने हरिओम के पिता का न केवल हाथ थामा बल्कि उन्हें गले भी लगाया। हरिओम की मां के सामने भी राहुल गांधी भी भावुक हो गए। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हरिओम वाल्मीकि जी के परिवार ने यह जानकारी दी कि सरकार की ओर से उन्हें धमकी दी गई थी कि वे राहुल गांधी से मुलाकात न करें। हालांकि, यह मुद्दा ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। असली बात यह है कि जिन लोगों ने यह अपराध किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हमारी पूरी कोशिश है कि हरिओम जी के परिवार की मदद की जा सके। कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के हर हिस्से में दलितों के खिलाफ होने वाले अत्याचार के खिलाफ खड़ी रहेगी और उनके लिए न्याय की लड़ाई जारी रखेगी।

दो किशोरियां गायब

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से दो किशोरियां अपने घर से बिना बताए चली गई। पीड़ित परिजनों ने संबंधित थानों में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना फेस-1 क्षेत्र के हरौला गांव में किराए पर रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी (17 वर्षीय) बेटी 14 अक्टूबर की सुबह घर से बिना बताए चली गई। उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र के देवला गांव में किराए पर रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बेटी 26 सितंबर को घर से बिना बताए चली गई थी। उस समय उन्होंने अपनी बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बेटी की उम्र के बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी। बेटी को तलाशने के दौरान जब उन्होंने उसके स्कूल की मार्कशीट देखी तो उसकी उम्र 15 वर्ष पता चली। मनोज ने पड़ोस में रहने वाले विष्णु उर्फ छोटू पर अपनी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का शक जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरियों की तलाश की जा रही है।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कृष्ण अवतार सिंह पुत्र श्री सुरेंद्र सिंह निवासी- मकान नंबर-399, ग्राम-सर्फाबाद, सेक्टर-73, नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र आदित्य सिंह भदौरिया मेरे और मेरे परिवार के साथ आए दिन लड़ाई झगड़ा करता है। मेरे पुत्र आदित्य का असामाजिक लोगों के साथ उठना बैठना है। कई बार आदित्य को समझाने की कोशिश की पर आदित्य सिंह भदौरिया गाली-गलौज व मारपीट को उतारू हो जाता है। इसलिए मैं अपने पुत्र आदित्य सिंह भदौरिया से संबंध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। आज के बाद आदित्य सिंह भदौरिया किसी से लेनदेन करता है या उसके किसी भी कृत्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ELG-29-O10-2025-26 दिनांक : 13.10.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-Tendering) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

टेन्डर संख्या : ELG-29-O10-2025-26	कार्य की अनुमानित लागत : Rs. 2786726.02

कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि : मथुरा-पलवल खंड में वीआरबीडी, बीटीएसआर और मथुरा-अछनेरा खंड में बीएसए पीआरके स्टेशनों पर पीएफ जल नल और पाइपलाइन के लिए 50 केएल के बोरवेल और एचएस टैंक के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।

कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु Indian Railways Website www.ireps.gov.in देखें। टेंडर्स केवल बेव पोर्टल Indian Railways Website www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दिनांक 10.11.2025 तक टेन्डर डाल सकते है। 1895/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य,** वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं. 1. ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर नं.:** "22-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2025-26" "स्ट्रिप्पिंग लेयिंग, थर्मल, वेल्डिंग ऑफ पीवीसी एंड स्ट्रिप्पिंग ऑफ कम्प्रेग शीट इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर फॉर 24 मन्थ्स"। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹2,37,38,879.40; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹2,68,700/-; **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि:** 11:00 बजे, 06.11.2025 **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹शून्य। **संविदा की अवधि:** 24 माह। उपरोक्त ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखें। **उप मुख्य यॉंत्रिक इंजी०/कार्य**

मुजाधि/यांत्रिक-77 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

गोल्ड ने सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले

कमजोर डॉलर और अमेरिका-चीन तनाव ने लगाई कीमतों में आग

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स में गुरुवार को सोने और चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। दिसंबर वायदा में सोने का भाव 1,28,395 प्रति 10 ग्राम के न्यू ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया, जबकि चांदी दिसंबर वायदा 1,64,150 प्रति किलोग्राम तक चढ़ी। सुबह 9−10 बजे तक सोना 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,27,862 पर और चांदी 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,63,523 के स्तर पर थी। वैश्विक बाजार में रिकॉर्ड स्तर− अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने के भाव 4,200 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड तक पहुंच गए हैं। यह बढ़ोतरी एक कमजोर डॉलर, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के चलते आई है। डॉलर इंडेक्स में लगभग 0.40 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जिससे अन्य मुद्राओं में सोने की कीमत अपेक्षाकृत सस्ती हुई है । आपूर्ति के लिए खतरा बताते हुए जवाबी कदमों के संकेत दिए हैं। यह आर्थिक अनिश्चितता निवेशकों को सोने जैसे सुरक्षित निवेश साधनों की ओर आकर्षित कर रही है। इसके साथ ही अमेरिका में सरकारी शटडाउन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिससे डॉलर पर दबाव और बढ़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने-चांदी का आउटलुक सकारात्मक है, लेकिन निकट अवधि में इसमें उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन का कहना है कि इस सप्ताह सोना 3,980ड्ड4,280 डॉलर प्रति औंस और चांदी 48.50ड्ड53.50 डॉलर प्रति औंस के दायरे में रह सकती है।

विदेश से काफी चांदी आई लेकिन बाजार से है गायब, जमाखोरों पर है सरकार की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के दाम आसमान छू रहे हैं। 10 ग्राम सोना 1,30,800 रुपये और एक किलो चांदी 1,82,000 रुपये तक पहुंच गई है। कीमतें इतनी ऊंची होने के बावजूद देश के बुलियन हब मुंबई के जवेरी बाजार में खरीदारों की लाइन कम नहीं हो रही। कुछ लोग तो मौजूदा भाव से 30,000 रुपये ज्यादा देने को तैयार है। सूत्रों के मुताबिक, इस तेज डिमांड और सट्टेबाजी जैसे हालात को देखते हुए कॉमर्स मिनिस्ट्री ने भी स्थिति पर नजर रखनी शुरू की है। मंत्रालय यह पता लगाने में जुटा है कि भारी मात्रा में इंपोर्ट हुई चांदी आखिर गई कहां क्या इसे किसी ने बड़े पैमाने पर स्टॉक करके रखा है ऑल इंडिया जेम्स ऐंड जूलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने बताया, मार्केट पैनिक मोड में है जो बेच रहे हैं, वे मनमाने दाम वसूल रहे है, इसलिए हमने आसान डिलिवरी के लिए प्री-बुकिंग शुरू की है। दिल्ली के ऑल इंडिया जूलरी एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा, डिमांड बहुत बढ़ गई है।

टाटा साल्ट ने शुरू की आयोडीन जागरूकता की मुहिम

मुंबई, एजेंसी। देश के आयोडीन युक्त नमक के सर्वश्रेष्ठ ब्रांड, टाटा साल्ट ने इस साल विश्व आयोडीन अल्पता दिवस (डब्ल्यूआईडीडी-वर्ल्ड आयोडीन डेफिशियेंसी डे) के मौके पर, देश भर के बच्चों में आयोडीन की कमी से पैदा होने वाले विकारों (आईडीडी) से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। देश के पहले ब्रांडेड आयोडीन युक्त नमक के रूप में, टाटा साल्ट आयोडीन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आयोडीन विशेष रूप से प्रारंभिक बचपन के दौरान मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व है। आयोडीन युक्त नमक केवल सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया आयोडीन युक्त पदार्थ से कहीं अधिक है जो हमारी रसोई में पाया जाता है। यह हमारे भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ कई तरीके से हमारे स्वास्थ्य में भी योगदान देता है। नमक का उपयोग व्यापक रूप से होता है, इसलिए यह सार्वभौमिक नमक आयोडीनीकरण (यूएसआई - यूनिवर्सल सॉल्ट आयोडाइज़ेशन) कार्यक्रम के ज़रिये आयोडीन के मिश्रण का सबसे आम माध्यम बन गया है। यह आयोडीन अल्पता विकार (आईडीडी) को रोकने में सहायक रहा है। दशकों से, यह दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों का मुख्य आधार रहा है। यह आयोडीन की कमी से होने वाले विकार (आईडीडी) और आयोडीन की कमी से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक असर को दूर करता है। भारत काफी हद तक आईडीडी से जुड़ी परेशानी को दूर करने में कामयाब रहा है। भारत आयोडीन सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, लगभग 76.3त्न परिवार पर्याप्त मात्रा में आयोडीन युक्त नमक का सेवन करते हैं।

सात्विक सोलर इंडस्ट्रीज़ प्रा. लि. को 689.47 करोड़ के सोलर पीवी मॉड्यूल आपूर्ति के ऑर्डर प्राप्त

गुरुग्राम। भारत की अग्रणी एकीकृत सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे 689.47 करोड़ मूल्य के उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल की आपूर्ति के नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। ये ऑर्डर देशभर के प्रतिष्ठित इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स और ईपीसी डेवलपर्स से प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर श्री प्रशांत माथुर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने कहा, देश के प्रमुख आइपीपीएस और इपीसीएस से प्राप्त ये दोहराए गए बड़े ऑर्डर सात्विक की गुणवत्ता, पैमाने और विश्वसनीयता के लिए स्थापित साख को और मजबूत करते हैं। हमारी बढ़ती विनिर्माण क्षमता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण हमें भारत की ऊर्जा संक्रमण यात्रा में एक पसंदीदा साझेदार बनाते हैं। लगभग 690 करोड़ के इन ऑर्डर्स से हमारी राजस्व दृश्यता और दीर्घकालिक साझेदारों के विश्वास में वृद्धि हुई है। हम अनुशासित निष्पादन और मजबूत वित्तीय आधार के साथ सतत विकास और मूल्य सृजन के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

जारो एजुकेशन ने टियर-2 शहरों में अपनी मौजूदगी मज़बूत की

मुंबई, एजेंसी। जारो एजुकेशन, जो भारत की प्रमुख एग्जीक्यूटिव और हायर एजुकेशन कंपनियों में से एक है, अब कोलकाता, नागपुर, जयपुर और इंदौर जैसे टियर-2 शहरों में नए काउंसलिंग सेंटर्स खोलकर अपने विस्तार को बढ़ा रही है। यह विस्तार जारो एजुकेशन के उस मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मेंटरशिप और करियर गाइडेंस तक समान पहुंच को बढ़ावा देना है। इसके ज़रिए महानगरों से बाहर के विद्यार्थियों को सशक्त बनाया जा रहा है और विकसित भारत के विज़न को साकार करने में योगदान दिया जा रहा है। सालों से हमने टियर-2 शहरों से उभरती असाधारण प्रतिभा को करीब से देखा है। ये शहर सिर्फ बढ़ते हुए बाज़ार नहीं हैं, बल्कि भारत की अगली टैलेंट वेव का प्रतिनिधित्व करते हैं, जारो एजुकेशन की सीईओ रंजीता रमन ने कहा। अपनी मज़बूत उपस्थिति के ज़रिए हमारा लक्ष्य है कि हम शिक्षार्थियों को ऐसे प्रोग्राम्स की ओर मार्गदर्शन दें जो उनके करियर को नया आयाम दें। जारो एजुकेशन के संस्थापक और प्रबंध निदेशक डॉ. संजय सालुंखे ने कहा, टैलेंट हर जगह मौजूद है, इसलिए अवसर भी हर जगह होना चाहिए।

स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड ने विजाग में रणनीतिक सहयोग की घोषणा की

विशाखापत्तनम। स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड जो दक्षिण भारत की प्रमुख एकीकृत स्टील निर्माता कंपनियों में से एक है और 'सिम्हाद्री टीएमटी' ब्रांड के तहत विश्वसनीय टीएमटी रिबार निर्माता के रूप में जाना जाता है, ने विजाग प्रोफाइल्स लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. और हिंद टर्मिनल्स प्रा. लि. के साथ एक रणनीतिक गैर-बाध्यकारी सहयोग की घोषणा की है। इस सहयोग का उद्देश्य विशाखापत्तनम में एक जनरल कार्गो टर्मिनल और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास की संभावना तलाशना है। साझेदार मिलकर लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार करने, ट्रांजिट समय को कम करने, और विशाखापत्तनम और आसपास के क्षेत्रों में स्केलेबल कार्गो हैंडलिंग समाधान उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हैं। यह समझौता एक साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो कैप्टिव और तृतीय पक्ष कार्गो दोनों के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर केंद्रित है। यद्यपि यह सहयोग गैर-बाध्यकारी है, फिर भी यह विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन, पायलट संचालन और संभावित भविष्य के व्यावसायिक साझेदारी के लिए आधार तैयार करता है। विकास पर टिप्पणी करते हुए, श्री सुरेश कुमार बांदी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड ने कहा, यह सहयोग हमारे लिए इस्पात उत्पादन से परे विस्तार करने और बुनियादी ढांचा एवं लॉजिस्टिक्स में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की रणनीतिक पहल है।

एलजी ने पेश की एसेंशियल सीरीज़: नई होम अप्लायंसेस लाइन मेड फॉर इंडिया

मुंबई, 14 अक्टूबर 2025 — ख्ल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (ख्लश्चढ्ढरु) ने आज ख्ल एसेंशियल सीरीज़ का अनावरण किया, जो भारतीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर से तैयार की गई नई होम अप्लायंसेस लाइन है। ख्लश्चढ्ढरु की सार्वजनिक सूचीबद्धता के बाद कंपनी की यह पहली प्रमुख उपभोक्ता पहल है। एसेंशियल सीरीज़ ख्ल इलेक्ट्रॉनिक्स (ख्ल) की भारत के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता को दर्शाती है ड्ड जो लाखों घरों तक नवाचार को सुलभ बनाते हुए उनकी बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करती है। हर घर अप्लायंसेस, हर घर हैप्पीनेस अभियान के तहत ख्ल का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं की जीवनशैली को समृद्ध करना है ताकि अधिक घरों में 'लाइफ्स गुड' का ब्रांड वादा साकार हो सके। भारतभर में विविध जनसांख्यिकी और जीवनशैली वाले 1,200 से अधिक परिवारों के साथ संवाद के बाद विकसित की गई यह सीरीज़ दो प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित है− मेड इन इंडिया और मेड फॉर इंडिया। हर उत्पाद भारतीय उपभोक्ताओं के सपनों और रोज़मर्रा की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जो बेहतर प्रदर्शन, टिकाऊपन और सोच-समझकर तैयार किए गए डिज़ाइन के साथ किफायती मूल्य पर उपलब्ध हैं।

सैमसंग ने भारत में निर्मित विंडफ्री कैसट एसी लॉन्च किए — स्मार्ट और ऊर्जा-कुशल कूलिंग के लिए नई दिशा

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने नए मेड इन इंडिया र्स्माट विंडफ्री कैसट एयर कंडीशनर्स लॉन्च करने की घोषणा की।

यह नई श्रृंखला स्मार्ट कनेक्टिविटी, पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन और प्रीमियम कम्फर्ट का मेल है, जिससे वाणिज्यिक और आवासीय दोनों क्षेत्रों के लिए आधुनिक कूलिंग समाधानों का एक नया मानक स्थापित होता है। नए विंडफ्रीइ कैसट एसी'ज को स्मार्ट नियंत्रण, ऊर्जा-दक्ष प्रदर्शन और बेहतर वेल-बीइंग अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इनमें इन-बिल्ट वाई-फाई के साथ स्मार्टथिंग्स ऐप इंटीग्रेशन की सुविधा दी गई है, जिससे यूजर अपने एसी को कहीं से भी आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। सैमसंग की पेटेंटेड विंडफ्रीइ कूलिंग तकनीक बिना

ठंडी हवा के तेज़ झोंकों के, कमरे में समान रूप से ठंडक प्रदान करती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को एक नया, शांत और निरंतर आरामदायक वातावरण मिलता है।

इसके अलावा, इन एयर कंडीशनरों में पर्यावरण-अनुकूल ऋ32 रेफ्रिजरेंट का प्रयोग किया गया है, जो सैमसंग की सस्टेनेबिलिटी और ऊर्जा-दक्षता के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दिखाता है।

सैमसंग इंडिया के हेड, सिस्टम एसी, विपिन अग्रवाल ने कहा, आज आराम का मतलब सिर्फ कमरे को ठंडा करना नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव बन गया है जो स्मार्ट, टिकाऊ और भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है।

हमारे नए विंड फ्री इ कैसट एसी'ज, जो मेड इन इंडिया के तहत गर्व के साथ बनाए गए हैं और ये शानदार डिज़ाइन, पर्यावरण-अनुकूल रेफ्रिजरेंट और स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी - इन तीनों को एक साथ लाते हैं।

ये एसी सिर्फ बेहतरीन परफॉर्मेंस ही नहीं देते, बल्कि लंबे समय तक आराम, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण पर कम असर भी सुनिश्चित करते हैं। इस लॉन्च के साथ हम भारत में उपभोक्ताओं और कारोबारों की बदलती जरूरतों के मुताबिक, एयर कंडीशनिंग को और ज्यादा स्मार्ट, ग्रीन और आधुनिक बनाने की दिशा में एक नया मानक तय कर रहे हैं।

कभी भी, कहीं से भी ड्ड कनेक्टेड कूलिंग के साथ स्मार्ट नियंत्रण: यूजर अब अपने कैसट एसी'ज को इन-बिल्ट वाई-फाई और सैमसंग स्मार्टथिंग्स ऐप के माध्यम से सहज रूप से कनेक्ट कर सकते हैं, जिसके लिए किसी अतिरिक्त मॉड्यूल की आवश्यकता नहीं होती। इसके माध्यम से वे अपने स्मार्टफोन से सीधे घर, दफ्तर या चलते-फिरते कहीं से भी अपने इनडोर वातावरण की निगरानी, नियंत्रण और व्यक्तिगत सेटिंग्स को प्रबंधित कर सकते हैं।

पहले चरण में जुटाए 250 करोड़ रुपये

'अर्था इंडिया वेंचर्स' ने 500 करोड़ के 'अर्था वेंचर फंड-2' की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। अर्था इंडिया वेंचर्स (एआईवी) ने आज अपने दूसरे प्रारंभिक चरण के माइक्रो वीसी फंड, 'अर्था वेंचर फंड-2 (एवीएफ-2)' के लिए 250 करोड़ रुपयों के पहले चरण की घोषणा की। इस फंड का कुल आकार 500 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जिसमें 100 करोड़ का ग्रीन-शू विकल्प भी शामिल है। फंड ने अपने लक्ष्य के 50 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएँ पहले ही प्राप्त कर ली हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों को अर्था की ठोस रणनीति और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड पर गहरा भरोसा है। 'एवीएफ-2' के अंतर्गत प्रारंभिक चरण (सीड-स्टेज) के 36 स्टार्टअप्स में निवेश किया जाएगा। यह निवेश प्रीमियम कंजम्पशन, फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर, अप्लाइड एआई और डीप टेक इन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। प्रत्येक स्टार्टअप में यह फंड शुरुआती तौर पर लगभग 4 करोड़ रुपयों का निवेश करेगा और उसके बाद अपने 1-2-4 मॉडल के तहत 8 से 16 करोड़ तक की फॉलो-ऑन निवेश करेगा। फंड का लक्ष्य अपने प्रमुख पोर्टफोलियो स्टार्टअप्स में 15 से 20 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी प्राप्त करना है। यह फंड चार वर्षों के निवेश चक्र के अंतर्गत सक्रिय रूप से कार्य करेगा। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए 'अर्था वेंचर फंड' के मैनेजिंग पार्टनर अनिरुद्ध ए. दमाणी ने इकोसिस्टम एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, और ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारा 'एवीएफ-2' लॉन्च हो रहा है। पिछले आठ महीनों में, एक महीने को छोड़कर, भारत में हर महीने 100 से कम सीड निवेश हुए हैं। यह पिछले दशक का सबसे निम्न स्तर है।

त्यौहार के मौसम में ज़ी टीवी लेकर आया है 'अपनोत्सव'

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में त्यौहारों का मौसम छाया हुआ है, ऐसे में ज़ी टीवी करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज को सिर्फ त्यौहार ही नहीं बल्कि कहानियों, अपनापन और परिवार के जश्न का हिस्सा बना रहा है। अपनी नए ब्रांड पहचान 'आपका अपना ज़ी टीवी' के तहत चैनल पेश कर रहा है 'अपनोत्सव' - एक महीने भर का उत्सव, जिसमें ड्रामा, हंसी और त्यौहारों की परंपराओं की खुशियां एक साथ नजर आएंगी। तीन दशकों से ज़ी टीवी ने भारतीय टेलीविजन पर त्यौहारों के कार्यक्रमों की शुरुआत की है और परिवारों को जोड़ने वाले खास आयोजन बनाए हैं। अपनोत्सव के साथ फिर से त्यौहारों को घर वापसी, रिश्तों और अपनेपन का जश्न बनाया जा रहा है। यह मजेदार कंटेंट, दिलचस्प प्रतियोगिताओं और सामुदायिक पहलों के जरिए दर्शकों को उनकी पसंदीदा परंपराओं का एहसास कराएगा। इस महीने भर चलने वाले अभियान में दर्शकों को मिलेगा मजेदार मिक्स − प्रमुख फिक्शन शो के विशेष एपिसोड्स, नए लॉन्च जैसे 'जगद्धात्री' – एक युवा लड़की की कहानी, जिसकी घर में तो अनदेखी होती है।

न्युवोको विस्टास ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनी, ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी निरंतर डीलीवरेजिंग पहलों द्वारा समर्थित एक मजबूत क्षमता-वृद्धि के रास्ते पर अग्रसर है। हाल ही में अधिग्रहीत वडराज सीमेंट प्लांट की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 27 की तीसरी तिमाही तक ऑपरेशंस शुरू करना है। इसके अलावा, कंपनी ने सोनाडीह सीमेंट प्लांट और ओडिशा सीमेंट प्लांट में रेलवे साइडिंग जैसी सभी आंतरिक परियोजनाओं को पूरा करने के बाद, दिसंबर 2025 और मार्च 2027 के बीच चरणों में पूर्वी क्षेत्र में 4 एमएमटीपीए तक क्षमता विस्तार की भी शुरुआत की है, जिससे बाजारों की अधिक किफायती और कुशल सेवा संभव होगी। इन सुधारों के साथ, न्युवोको की सीमेंट क्षमता वित्त वर्ष 27 तक 35 एमएमटीपीए तक बढ़ने की उम्मीद है।कंपनी ने तिमाही के दौरान बेहतर वार्षिक प्रदर्शन बनाए रखा। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 4.3 मिलियन मीट्रिक टन की समेकित सीमेंट बिक्री मात्रा हासिल की। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड राजस्व वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 2,458 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 371 करोड़ रुपये का अपना अब तक का ऑलटाइम हाई दूसरी तिमाही का कंसोलिडेटेड एबिटिडा भी दर्ज किया। अपने डीलीवरेजिंग एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध रही और समान-से-समानख शुद्ध ऋण को सालाना आधार पर 1,009 करोड़ रुपये घटाकर 3,492 करोड़ रुपये पर लाने में सफल रही है। कंपनी के बेहतरीन प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, श्री जयकुमार कृष्णास्वामी, मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि तीव्र मानसून, जीएसटी दरों में कटौती के लिए चैनल एडजस्टमेंट्स और त्योहारों के समय से पहले शुरू होने जैसी कई सारी चुनौतियों के बावजूद, कंपनी प्रीमियमीकरण और ट्रेड मिक्स पर निरंतर ध्यान केंद्रित करके बेहतर प्रदर्शन जारी रखे हुए है। अनुशासित दृष्टिकोण ने कंपनी को दूसरी तिमाही में अब तक का ऑलटाइम हाई कंसोलिडेटेड एबिटिडा हासिल करने में सक्षम बनाया।

मोबिलिटी एड्स पर 30% तक की छूट के साथ दिवाली वेलनेस सेलिब्रेशन 2025 लॉन्च किया

लुधियाना, एजेंसी। लीफोर्ड हेल्थकेयर, ऑर्थोपेडिक और मोबिलिटी सॉल्यूशंस में अग्रणी, लोगों को पारंपरिक उपहारों से कुछ अलग सोचने और ऐसे उपहारों को अपनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है जो बेहतर एवं स्थायी स्वास्थ्य और गतिशीलता प्रदान करते हैं। अपने दिवाली वेलनेस सेलिब्रेशन 2025 के हिस्से के रूप में, कंपनी अक्टूबर 2025 के महीने में अपने ऑर्थोपेडिक और मोबिलिटी एड पोर्टफोलियो पर 30त्न तक की छूट दे रही है, जिससे इस त्योहारी सीज़न में स्वास्थ्य-केंद्रित विकल्प अधिक आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। लीफोर्ड के ऑर्थोपेडिक और मोबिलिटी सॉल्यूशंस की सीरिज को आराम, स्वतंत्रता और एक एक्टिव लाइफस्टाइल को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये उत्पाद केवल थेराप्यूटिक टूल्स नहीं हैं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों की दिनचर्या में शामिल सोच-समझ कर तैयार किए गए समाधान हैं, जो उन्हें बिना किसी रुकावट के हर दिन आगे बढ़ने में अच्छी-खासी मदद करते हैं। अमित गुप्ता, संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर, लीफोर्ड हेल्थकेयर लिमिटेड ने कहा कि लीफोर्ड में, हम यह समझ चुके हैं कि ऑर्थोपेडिक सपोर्ट सिर्फ़ स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में मजबूती लाने के लिए भी है। एक सोची-समझी चीज़ के रूप में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि इस दिवाली, हम परिवारों को अपने प्रियजनों के लिए प्रिवेंटिव हेल्थ और मोबिलिटी में निवेश करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। त्योहारों का मौसम देखभाल, एकजुटता और नए स्वास्थ्य का समय होता है, इसलिए लीफोर्ड ऑर्थोपेडिक सपोर्ट को स्वास्थ्य साथी के रूप में नए सिरे से ढाल रहा है, जिसे न केवल स्वास्थ्य लाभ में मदद करने के लिए, बल्कि असुविधा को रोकने और रोज़मर्रा की गतिविधियों में सहयोग देने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

फ्लैगशिप एलपीओ 1822 बस चेसिस के लॉन्च के साथ इंटरसिटी मोबिलिटी को नई परिभाषा दी

आराम के लिए इंजीनियर्ड: फुल-एयर सस्पेंशन भारत के राजमार्गों पर प्रथम-श्रेणी यात्रा अनुभव प्रदान करता है

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज अपनी सबसे आधुनिक इंटरसिटी बस - ऑल-न्यू टाटा एलपीओ 1822 चेसिस लॉन्च की। लंबी दूरी के यात्री परिवहन में नए मानक स्थापित करने के लिए निर्मित, एलपीओ 1822 आराम, प्रदर्शन और परिचालन दक्षता में एक साहसिक छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, जो जन गतिशीलता के भविष्य को आकार देने में टाटा मोटर्स के नेतृत्व की पुष्टि करता है। टाटा एलपीओ 1822 में फुल-एयर सस्पेंशन और कम शोर, कंपन एवं कठोरता के उन्नत स्तर की विशेषताएँ हैं, जो यात्रियों और ड्राइवरों दोनों को थकान-रहित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं। यह चेसिस 36 से 50 सीटों और स्लीपर विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जो बस ऑपरेटरों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती है। इस लॉन्च के अवसर पर, टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के प्रमुख श्री आनंद एस ने कहा, भारत में इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है, क्योंकि यात्री अब बेहतर कनेक्टिविटी, आराम और सुविधा की अपेक्षा करते हैं।

टाटा एलपीओ 1822 एक उन्नत उत्पाद है, जो उत्कृष्ट राइड क्वालिटी, मजबूत इंजीनियरिंग और स्मार्ट फीचर्स का संयोजन प्रस्तुत करता है। यह यात्रियों के लिए आरामदायक, ड्राइवरों के लिए सुविधाजनक और ऑपरेटरों के लिए अधिक लाभदायक साबित होगा। एलपीओ 1822 में 5.6-लीटर कमिंस डीज़ल इंजन दिया गया है, जो 220 एचपी की पावर और 925 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। यह इंजन शक्ति और ईंधन-सक्षमता का बेहतरीन संतुलन प्रस्तुत करता है। यही चेसिस प्रीमियम टाटा मैग्ना कोच का आधार भी है, जो सुरक्षा, आराम और यात्रा अनुभव के उच्चतम मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। एलपीओ 1822 के साथ चार वर्ष की मुफ्त फ्लीट एज सदस्यता दी जा रही है। फ्लीट एज टाटा मोटर्स का स्मार्ट, अगली पीढ़ी का कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म है, जो रीयल-टाइम जानकारी, भविष्यवाणी-आधारित मेंटेनेंस और डेटा-संचालित फ्लीट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है - जिससे ऑपरेटर अपने संचालन को अधिक कुशल और लाभदायक बना सकते हैं। टाटा मोटर्स के पास 9 से 55 सीटों तक की बसों का व्यापक पोर्टफोलियो है, जिसमें डीज़ल, सीएनजी, एलएनजी, और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन विकल्प शामिल हैं। टाटा मोटर्स भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी समाधान प्रदान करने में अग्रणी बना हुआ है। इसे सम्पूर्ण सेवा 2.0 का समर्थन प्राप्त है, जो एक समग्र वाहन जीवनचक्र सहायता कार्यक्रम है जो सुनिश्चित सेवा टर्नअराउंड, असली स्पेयर पार्ट्स, वार्षिक रखरखाव अनुबंध और 24×7 ब्रेकडाउन सहायता प्रदान करता है। देश भर में 4,500 से अधिक बिक्री और सेवा टचपॉइंट्स के एक मजबूत नेटवर्क द्वारा समर्थित, टाटा मोटर्स भारत के यात्री परिवहन परिदृश्य को बदलने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

सतर्क कदम अपनाकर सुरक्षित और निर्बाध डिजिटल भुगतान का आनंद ले

भोपाल। त्योहारों का समय खुशियों, उपहारों और बढ़ती खरीदारी का होता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों पर आकर्षक छूट, सीमित समय की सेल और कैशबैक ऑफर लोगों को तेजी से खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस उत्साह में कई बार लोग बहुत अच्छा ऑफर पाने की जल्दबाज़ी में बिना सोचे-समझे निर्णय ले लेते हैं। धोखेबाज़ (स्कैमर्स) इसी प्रवृत्ति का फायदा उठाते हैं और तकनीक के साथ-साथ अपने तरीकों को भी बदलते रहते हैं। ऐसे में जागरूकता और कुछ सतर्क कदम अपनाकर आप सुरक्षित और निर्बाध डिजिटल भुगतान का आनंद ले सकते हैं। केवल आधिकारिक ऐप्स और वेबसाइट पर ही खरीदारी करें- धोखेबाज़ अक्सर असली वेबसाइट जैसी दिखने वाली नकली साइट्स और लिंक बनाते हैं, खासकर सेल के समय, ताकि वे आपकी निजी या भुगतान संबंधी जानकारी चुरा सकें। हमेशा वेबसाइट का पता स्वयं टाइप करें या आधिकारिक ऐप का उपयोग करें। प्रमोशनल ईमेल, एसएमएस या फॉरवर्ड किए गए संदेशों में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें। अनजान स्रोतों से भेजी गई फाइलें या लिंक डाउनलोड न करें - इनमें हानिकारक सॉफ्टवेयर हो सकते हैं जो आपके डिवाइस तक पहुँच बना सकते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 अहमदाबाद में होंगे

कार्यकारी बोर्ड की सिफारिश, 2010 में भारत को पहली बार मेजबानी मिली थी

नईदिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) की मेजबानी के लिए नॉमिनेट किया है। 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली राष्ट्रमंडल खेल की बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।भारत को मेजबानी के लिए नाइजीरिया के अबुजा शहर से चुनौती मिल रही थी। लेकिन कॉमनवेल्थ एग्जीक्यूटिव बोर्ड नाइजीरिया को 2034 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए सहयोग देगी। कॉमनवेल्थ गेम्स स्पोर्ट्स ने अपने प्रेस रिलीज में कहा, राष्ट्रमंडल खेलों की कार्यकारी बोर्ड ने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को मेजबान शहर के रूप में सिफारिश करने का फैसला लिया है।भारत ने अब तक एक बार 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की है।2010 में भारत ने नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित हुए थे। जिस पर करीब 70,000 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

2030 में सभी गेम्स शामिल होंगे- आईओए - इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने कहा, ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ से हटाए गए सभी गेम्स 2030 में शामिल होंगे। इसमें शूटिंग, रेसलिंग, बैडमिंटन, हॉकी, आर्चरी, कबड्डी और खो-खो शामिल किए जाएंगे।

भारत के लिए गर्व का दिन- अमित शाह - गृह मंत्री अमित शाह ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पर लिखा, भारत के लिए यह बहुत गर्व और खुशी का दिन है। कॉमनवेल्थ एसोसिएशन द्वारा अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकार भारत को देने पर देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई।

पिछले साल 2036 ओलिंपिक के लिए दावेदारी की थी - सीडब्ल्यूजी के अलावा, भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस, अमेरिका में होने हैं।

2 एशियन गेम्स भी करा चुका है भारत - भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। इनमें 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स, 1982 और 1951 के एशियन गेम्स शामिल हैं।

2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की 100वीं एनिवर्सरी

कॉमनवेल्थ गेम्स हर चार साल में होता है।पहला कॉमनवेल्थ गेम्स 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में आयोजित किया गया था।इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की है।2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की 100वीं एनिवर्सरी भी होगी।

29 अगस्त को भारत ने बोली लगाई थी

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए इसी साल 29 अगस्त को लंदन में बोली लगाई थी।उस समय गुजरात सरकार के खेल मंत्री हर्ष सांघवी ने इस प्रस्ताव को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के सामने पेश किया था।उन्होंने कहा था, अहमदाबाद कॉम्पैक्ट सिटी मॉडल पर गेम्स मेजबानी करेगा, यानी खेल स्थलों, ट्रेनिंग सुविधाओं और खिलाड़ियों की रहने की व्यवस्था सब एक-दूसरे के नजदीक होगी।इससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों को बेहतर अनुभव मिलेगा।बोली लगाने के दो दिन से पहले 27 अगस्त को केंद्रीय कैबिनेट ने कॉमनवेल्थ बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दी थी।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमश: एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए। एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया। अभिषेक ने कहा, 'आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा, 'इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम के लिए मैच जीतना रहा है।

ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स ने भारत-पाकिस्तान हैंडशेक विवाद का मजाक उड़ाया

- वीडियो में बताया इंडियन प्लेयर्स से कैसे मिलेंगे, किसी ने मसल्स दिखाई तो किसी ने मिडिल फिंगर

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स ने भारत और पाकिस्तान के हैंडशेक विवाद का मजाक उड़ाया है। एक वीडियो में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जोश हेजलवुड और एलिसा हीली जैसे बड़े खिलाड़ी हैंडशेक के नाम पर आपत्तिजनक इशारे कर रहे हैं। यह वीडियो ऑस्ट्रेलिया के स्पोर्ट्स चैनल केयो स्पोर्ट्स ने एक्स पर पोस्ट किया। हालांकि, विवाद होने पर उसे डिलीट भी कर दिया गया। केयो स्पोर्ट्स के वीडियो पर भारतीय फैंस भड़क गए हैं। एक ने इसे असंवेदनशील मजाक बताया। भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू हो रही है। वीडियो की शुरुआत में एंकर कह रहा है- हम सब जानते हैं कि भारतीय टीम आ रही है। वह एक शानदार टीम है, लेकिन हमने उसकी बड़ी कमजोरी खोज ली है। फिर दूसरा एंकर कहता है, हमें पता है कि उन्हें ट्रेडिशनल ग्रीटिंग (हैंडशेक) ज्यादा पसंद नहीं है, तो क्यों न मैच शुरू होने से पहले ही उन्हें कंफ्यूज कर दिया जाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलियान कप्तान मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जोश हेजलवुड और विमेंस प्लेयर एलिसा हीली, ग्रेस हैरिस और एलाना किंग को दिखाया गया है। ये सभी चर्चा कर रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ियों का अभिवादन किस अंदाज में किया जा सकता है।

विराट कोहली ने गुरुग्राम की प्रॉपर्टी भाई को सौंपी

पावर ऑफ अटॉर्नी ट्रांसफर करवाने पहुंचे, खुद परिवार के साथ इंग्लैंड में सेटल हुए

गुरुग्राम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने अपनी गुरुग्राम की प्रॉपर्टी की पावर ऑफ अटॉर्नी अपने भाई विकास कोहली के नाम कर दी है। इसके लिए वे मंगलवार को गुरुग्राम की वजीराबाद तहसील पहुंचे थे, जहां उन्होंने विकास के नाम प्रॉपर्टी से जुड़ी जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) रजिस्टर करवाई।इस दौरान विराट ने तहसील कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों के साथ फोटो खिंचवाए और उनकी रिक्वेस्ट पर ऑटोग्राफ भी दिए। इसके बाद वह दिल्ली एयरपोर्ट से सीधे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना हो गए।विराट कोहली अपने परिवार के साथ लंदन में रहते हैं। इसमें पत्नी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और दोनों बच्चें शामिल हैं। वे इंडिया में कम ही समय में रहते हैं। इसी वजह से कोहली ने गुरुग्राम में अपनी प्रॉपर्टी से संबंधित कानूनी जिम्मेदारियां अपने भाई विकास को सौंपने का फैसला किया।मीडिया रिपोर्ट्स में कोहली के परमानेंट लंदन शिफ्ट होने के दावे होते रहे हैं। हालांकि, क्रिकेटर ने अपने लंदन शिफ्ट होने की बात अधिकृत तौर पर कभी नहीं स्वीकारी है।

गुरुग्राम के डीएलएफ सिटी में घर और एक फ्लैट - विराट कोहली का गुरुग्राम के डीएलएफ सिटी फेज-1 के ब्लॉक सी में एक लग्जरी घर है। इसे कोहली ने साल 2021 में खरीदा था। इसके अलावा गुरुग्राम में विराट का फ्लैट भी है। इन दोनों प्रॉपर्टी को अब उनके भाई विकास संभालेंगे। विकास को अब विराट की प्रॉपर्टी से संबंधित सभी कानूनी और प्रशासनिक कार्यों को संभालने का अधिकार मिल गया है।

- **लंदन में रह रहे कोहली, भाई को अधिकार दिए** - यह कदम विराट ने इसलिए उठाया है, क्योंकि वे अब ज्यादातर समय इंग्लैंड में बिताएंगे। भारत में उनकी अनुपस्थिति में प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों को व्यवस्थित रखने के लिए यह व्यवस्था जरूरी थी। इसलिए, उन्होंने अपने भाई को अधिकार दिए हैं। इंग्लैंड में विराट कोहली पहले ही सेटल हो चुके हैं। वह पत्नी अनुष्का शर्मा, बेटी वामिका और बेटा अकाय के साथ रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब उनका माता सरोज कोहली भी उनके साथ इंग्लैंड में रहेंगी। अब तक वह गुरुग्राम में ही विकास कोहली के साथ रह रही थीं।
- **करीब एक घंटा तहसील में रहे कोहली, ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए** - विराट कोहली करीब एक घंटे तक तहसील में रहे थे। कर्मचारियों के लिए यह एक रोमांचक क्षण था, क्योंकि उन्हें अपने पसंदीदा क्रिकेटर से मिलने का मौका मिला। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विराट सीधे दिल्ली एयरपोर्ट चले गए। वहां से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुए।
- **कोहली की कमाई का जरिया और नेट वर्थ** - विराट कोहली की 2025 में नेट वर्थ लगभग 1,050 करोड़ रुपए (करीब 125 मिलियन) आंकी गई है। यह कमाई क्रिकेट सैलरी, आईपीएल कांट्रैक्ट (15 करोड़/सीजन आरसीबी से), ब्रांड एंडोर्समेंट्स पूमा, ऑडि, एमआरएफ आदि से 80-100 करोड़ सालाना), बिजनेस वेंचर्स और इंवेस्टमेंट्स से आती है। वह फाउंडेशन के जरिए चैरिटी भी करते हैं, जैसे विराट कोहली फाउंडेशन जो खेल स्कॉलरशिप देता है।

रोहित-कोहली भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना

कमिंस बोले- हमारे फैंस के पास दोनों को खेलते देखने का शायद आखिरी मौका

नई दिल्ली/सिडनी (एजेंसी)। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली बुधवार को भारतीय टीम के पहले बैच के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवना हुए। दोनों को दिल्ली एयरपोर्ट में देखा गया। उधर, पैट कमिंस ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियन फैंस के लिए यह रोहित और कोहली को घर में खेलते हुए देखने का शायद आखिरी मौका है।

रोहित और कोहली 9 मार्च को खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी टेस्ट मैच भी ऑस्ट्रेलिया के इसी साल सिडनी में खेला था। भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू हो रही है। भारतीय टीम के पहले बैच में रोहित-कोहली के साथ नए कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, नीतीश कुमार रेड्?डी, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा रवाना हुए हैं। शाम को हेड कोच गौतम गंभीर और बचा हुए सपोर्ट स्टाफ रवाना होगा।

भारत के खिलाफ न खेल पाना निराशाजनक - कमिंस - ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने जियोहॉटस्टार से कहा-विराट और रोहित पिछले 15 साल से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। इसलिए यह ऑस्ट्रेलियन फैंस के लिए शायद उन्हें यहां खेलते देखने का आखिरी मौका हो।कमिंस ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि भारत के मौजूदा फ्यूटर टूर प्रोग्राम में 2027 से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा शामिल नहीं है। कमिंस ने आगे कहा- वो दोनों भारत के लिए महान क्रिकेटर रहे हैं और हमेशा उन्हें बहुत समर्थन मिलता है। जब भी हम भारत से खेलते हैं, स्टेडियम में शोर गूंजने लगता है। भारत के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज मिस करना अफसोसजनक है।32 साल के कमिंस पीठ की चोट की वजह से यह सीरीज नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह मिचेल मार्श मेजबान टीम की कप्तानी करेंगे।

क्या रोहित-कोहली की आखिरी सीरीज है?

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने एक दिन पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि रोहित-कोहली आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में इन दोनों के खेलने की संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा। गंभीर ने कहा था- वनडे वर्ल्ड कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काफी उपयोगी साबित होगा। इससे पहले 19 सितंबर को रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को नया भारतीय कप्तान बनाया गया था। रोहित और कोहली पहले ही टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले चुके हैं।

आईपीएल वैल्यूएशन इतिहास में पहली बार लगातार दो साल घटी

16,400 करोड़ घटकर 76,100 करोड़ पर आई; आरसीबी रैंकिंग में टॉप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग की वैल्यूएशन इतिहास में पहली बार लगातार दो साल घटी है। डीएण्डपी एडवाइजरी की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। यह गिरावट मीडिया राइट्स के कम कॉम्पिटिटिव होने और रियल-मनी गेमिंग स्पॉन्सरशिप पर सरकारी प्रतिबंध के कारण आई है।

2 साल में 16,400 करोड़ रुपए घटी आईपीएल की वैल्यूएशन

- 2025 में आईपीएल की कुल वैल्यूएशन 76,100 करोड़ रुपए (8.8 बिलियन डॉलर) है।
- 2024 में आईपीएल की वैल्यूएशन 82,700 करोड़ रुपए (9.9 बिलियन डॉलर) थी।
- 2023 में यह सबसे ज्यादा 92,500 करोड़ रुपए (11.2 बिलियन डॉलर) पर थी।

आईपीएल वैल्यूएशन में गिरावट के 2 मुख्य कारण

- डिज्नी स्टार के विलय ने आईपीएल के मीडिया राइट्स के लिए बिडिंग वॉर खत्म कर दिया है।
- रियल-मनी गेमिंग विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप पर सरकारी प्रतिबंध से इसमें गिरावट आई है।

- 2027 तक मीडिया राइट्स की वैल्यू 40-50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद थी

डीएण्डपी एडवाइजरी के मैनेजिंग पार्टनर संतोष एन ने कहा- 2023 में जब हमने आईपीएल वैल्यूएशन आंकी थी, तो हमने सोचा था कि 2027 तक मीडिया राइट्स की वैल्यू 40-50 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

ये अनुमान दो ताकतवर बोलीदाताओं की मौजूदगी और ग्लोबल टेक कंपनियों के स्पोर्ट्स स्ट्रीमिंग में आने की संभावना पर टिका था। फिर गेमिंग बैन ने कमाई को और कम कर दिया।

आईपीएल को करीब 1,500-2,000 करोड़ रुपए का सालाना घाटा

रियल मनी गेमिंग बैन से आईपीएल इकोसिस्टम को करीब 1,500-2,000 करोड़ रुपए का सालाना घाटा हुआ है। पहले गेमिंग कंपनियां स्पॉन्सर बनकर पैसा खर्च करती थीं, जो अब वो बंद हो गया है। पूरे इंडियन स्पोर्ट्स में इससे करीब 7,000 करोड़ का लॉस हुआ है।

डब्ल्यूपीएल की वैल्यू थोड़ी घटकर ?1,275 करोड़ पर आई

वूमेन प्रीमियर लीग में उथल-पुथल की जगह थोड़ी स्थिरता है। रिपोर्ट में 2025 के लिए डब्ल्यूपीएल की वैल्यू ?1,275 करोड़ (148 मिलियन डॉलर) बताई गई। ये 2024 के 1,350 करोड़ (160 मिलियन डॉलर) से थोड़ी कम है। टीवी दर्शक साल भर में 150 प्रतिशत बढ़े, और ओपनिंग मैच में डिजिटल इंगेजमेंट 70 प्रतिशत बढ़ा है।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी

अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं।

शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है।

अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

लियोनेल मेसी ने तोड़ा नेमार का बड़ा रिकॉर्ड, अर्जेंटीना की 6-0 की जीत में रचा इतिहास

अर्जेंटीना (एजेंसी)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल कर लिया है। उन्होंने प्योर्टो रिको के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में दो शानदार असिस्ट दिए और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए, नेमार को पीछे छोड़ते हुए।

इंटर मियामी स्टार मेसी ने इस मुकाबले में अर्जेंटीना को 6-0 की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहले हाफ में गोंजालो मोंटियल को असिस्ट दिया और फिर दूसरे हाफ में लौतारो मार्टिनेज के लिए पास बनाकर अपनी टीम का छठा गोल कराया। अब मेसी के नाम अर्जेंटीना के लिए 60 असिस्ट और 114 गोल दर्ज हैं। वहीं नेमार ने ब्राजील के लिए 59 असिस्ट किए थे। इस प्रदर्शन के साथ मेसी के क्लब और देश मिलाकर कुल 398 असिस्ट हो चुके हैं, और वे जल्द ही 400 असिस्ट का ऐतिहासिक आंकड़ा छू सकते हैं। मैच के बारे में मेसी ने कहा, टीम के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है, और रिकॉर्ड्स तभी मायने रखते हैं जब वे जीत में बदलें।

भगवान गणेश और देवी सरस्वती के साथ क्यों पूजी जाती हैं महालक्ष्मी ?

20 अक्टूबर को दीपावली है। मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या पर देवी लक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थीं, इस वजह से इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लक्ष्मी जी के साथ ही भगवान गणेश और देवी सरस्वती की भी पूजा होती है। इन तीनों देवी-देवताओं की तस्वीरें भी बहुत प्रचलित हैं। जानिए इन तीनों देवी-देवताओं की पूजा एक साथ क्यों की जाती है...

धन, बुद्धि और ज्ञान का प्रतीक हैं ये तीनों

महालक्ष्मी धन, समृद्धि और वैभव की देवी हैं। वे सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतिनिधित्व करती हैं। भगवान गणेश बुद्धि, विघ्नविनाशक और शुभारंभ के देवता माने जाते हैं। वे सभी कार्यों की शुरुआत में पूजे जाते हैं ताकि विघ्न न आए। देवी सरस्वती ज्ञान, कला, संगीत और विद्या की देवी हैं।

दीपावली के अवसर पर इन तीनों देवी-देवताओं की पूजा एक साथ करने का अर्थ है – जीवन में धन, बुद्धि और ज्ञान का तालमेल जरूरी है। धन (महालक्ष्मी) कमाने और उसका सही उपयोग करने के लिए बुद्धि (गणेश) और ज्ञान (सरस्वती) आवश्यक है। इन तीनों का सही संतुलन ही जीवन में सुख-समृद्धि पाने का मूलमंत्र है।

सिर्फ धन से सुख-शांति नहीं मिलती

जीवन में केवल धन से सुख-शांति संभव नहीं है। धन का सही नियोजन और विवेक बुद्धि से ही होता है, जो गणेश का रूप है। वहीं ज्ञान से ही हम सही निर्णय लेते हैं और जीवन के उच्चतर लक्ष्य प्राप्त करते हैं, जो सरस्वती का रूप है। इसलिए महालक्ष्मी की पूजा में गणेश और सरस्वती को भी शामिल करना चाहिए।

धन का मतलब केवल भौतिक संपदा से नहीं है। मनुष्य जीवन में धन का महत्व तभी बढ़ता है जब उसका सही प्रयोग किया जाए। बुद्धि और ज्ञान के बिना धन लोभ, अनियंत्रण और अधर्म की ओर ले जाता है। महाभारत में भी धन के महत्व के साथ उसके सदुपयोग की बात कही गई है। अर्जुन को भगवान कृष्ण ने ये सिखाया कि केवल धन नहीं, बल्कि ज्ञान और धर्म के अनुसार काम करना पुरुषार्थ है। पुरुषार्थ ही धन की प्राप्ति का आधार है।

भगवान विष्णु के साथ भी कर सकते हैं लक्ष्मी की पूजा

देवी लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी हैं। शास्त्रों में यह कहा गया है कि जो भक्त लक्ष्मी जी के साथ विष्णु जी की भी पूजा करता है, उसे लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। विष्णु जी पुरुषार्थ के प्रतीक हैं, जो जीवन के सभी कार्यों में संतुलन स्थापित करते हैं।

विष्णु पुराण में विष्णु और लक्ष्मी के संयुक्त पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। इनका संयुक्त पूजन जीवन में धन, ज्ञान, बुद्धि और पुरुषार्थ की प्राप्ति का साधन है।

दिवाली पर दीये में भूलकर भी न जलाएं कपड़े की बाती

सनातन धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक दीपावली 20 अक्तूबर दिन सोमवार को है. यह त्योहार रोशनी का प्रतीक माना गया है. इसलिए लोग दीया जलाकर पूरे घर और वातावरण में रोशनी करते हैं. इस दिन मिट्टी का दीया जलाने का विधान है. धार्मिक ग्रंथों में मिट्टी के दीपक को पंच तत्वों का प्रतीक माना गया है. इस दीया में लोग कई तरह की बाती का इस्तेमाल करते हैं. दीये के लिए कोई रुई की बाती तो कोई मौली की बाती यूज करते हैं. वहीं, कुछ लोग कपड़े की भी बाती इस्तेमाल करते हैं. लेकिन, ज्योतिषविदों की मानें तो दिवाली के दीये में कभी भी कपड़े की बाती न जलाएं. ऐसा करना बिलकुल शुभ नहीं माना जाता है. अब सवाल है कि दीये में कपड़े की बाती क्यों नहीं जलाना चाहिए?

मिट्टी का दीया क्यों जलाया जाता है?

धार्मिक ग्रंथों में मिट्टी के दीपक को पंच तत्वों का प्रतीक माना गया है. पारंपरिक मिट्टी के दीये जलाना पर्यावरण के अनुकूल, आध्यात्मिक रूप से शुभ और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, जब इस मिट्टी के दीये में सरसों के तेल से अग्नितत्व को शामिल किया जाता है तो न सिर्फ अंधकार समाप्त होता है, घर में सकारात्मकता भी आती है. इसके अलावा, दीपक में देवी-देवताओं का तेज होता है. इस कारण भी पूजा में इसे जलाना शुभ होता है।

रुई की बाती सबसे शुभ क्यों?

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, रुई की बाती सबसे शुभ मानी जाती है. इसमें दीपावली के दीये के लिए रुई और अन्य पूजा के लिए लाल धागे की बाती शुभ होती है. वहीं, घी के दीपक के लिए रुई की बाती और तेल के दीपक के लिए लाल धागे की बाती का उपयोग करना चाहिए. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी-देवताओं की पूजा के लिए रुई की बाती का उपयोग शुभ माना जाता है।

कपड़े की बाती यूज क्यों न करें?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, दिवाली के दीये में कपड़े की बाती नहीं जलाना शुभ नहीं माना जाता है. ऐसा करने से नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं. इसके बजाय, घी या तिल के तेल से भिगोई हुई रुई की बाती का उपयोग करें, जो अधिक उपयुक्त मानी जाती है. कपड़े का उपयोग अशुभ माना जाता है, क्योंकि यह पूजा में नकारात्मकता ला सकता है और धन हानि या अन्य परेशानियों का कारण बन सकता है।

रमा एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

17 की सुबह 11.12 बजे तक रहेगी, इसके बाद द्वादशी तिथि शुरू हो जाएगी। इस एकादशी का व्रत शुक्रवार को करना उचित है, क्योंकि कल सूर्योदय के समय एकादशी तिथि रहेगी, शुक्रवार को ही गोवत्स द्वादशी का भी व्रत किया जाएगा।

रमा एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

एक राजा थे मुचुकुंद। देवराज इंद्र, यम, वरुण, कुबेर और अन्य देवता उनके मित्र थे। मुचुकुंद धार्मिक प्रवृति वाले और सत्यवादी थे। राजा की एक पुत्री थी चंद्रभागा। चंद्रभागा का विवाह राजा चंद्रसेन के पुत्र शोभन से हुआ। एक दिन शोभन चंद्रभागा के साथ उसके पिता मुचुकुंद के यहां आया। उस दिन एकादशी थी। मुचुकुंद के राज्य में सभी एकादशी व्रत करते थे और उस दिन सभी निराहार थे।

शोभन ने तय किया कि वह भी एकादशी व्रत करेगा। चंद्रभागा को ये चिंता होने लगी कि उसका पति भूखा कैसे रहेगा? शोभन ने अपनी पत्नी से कोई ऐसा तरीका पूछा, जिससे उसका व्रत भी हो जाए और उसे भूख भी सहन न करना पड़े।

चंद्रभागा को ऐसा कोई तरीका मालूम नहीं था। शोभन ने भगवान पर भरोसा करके व्रत कर लिया, लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, वह भूख-प्यास सहन न कर सका और उसकी मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु से चंद्रभागा बहुत दुखी हुई।

शोभन की आत्मा ने रमा एकादशी व्रत के शुभ फल से देवलोक में स्थान प्राप्त किया। एक दिन राजा मुचुकुंद अपने देव मित्रों से मिलने देवलोक पहुंचे तो उन्होंने अपने दामाद की आत्मा को वहां सुखी और प्रसन्न देखा। राजा ने देवलोक से लौटकर ये बात अपनी पुत्री चंद्रभागा को बताई तो वह भी प्रसन्न हुई। इसके बाद चंद्रभागा ने भी रमा एकादशी का व्रत किया और इस व्रत के शुभ फल से वह भी अपने पति के पास चली गई।

ये व्रत स्वर्ग के समान सुख-शांति देने वाला माना जाता है। जो लोग ये व्रत पूरी श्रद्धा के साथ करते हैं, उनके सभी दुख दूर होते हैं और घर-परिवार में प्रेम बना रहता है।

धनतेरस के दिन सामान खरीदने का क्या है शुभ मुहूर्त, दो बार लगेगा प्रदोष काल

18 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा होती है और इस दिन लोग अपने घरों में नया सामान खरीदते हैं। धनतेरस के दिन झाड़ू से लेकर सोने-चांदी तक के सामान खरीदे जाते हैं। लेकिन धनतेरस के दौरान शुभ मुहूर्त देखकर ही सामान की खरीदारी करनी चाहिए।

ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न झा बताते हैं कि इस दिन शुभ मुहूर्त में सामान खरीदना काफी शुभ माना जाता है और इससे घर में समृद्धि आती है। धनतेरस के दिन नई चीज खरीदने के पीछे का एक बड़ा महत्व छिपा होता है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। ऐसे में अगर आप भी धनतेरस के दिन कुछ अच्छा खरीदने की सोच रहे हैं, तो यहां उसका शुभ मुहूर्त देख लीजिए और इस मुहूर्त में सामान की खरीदारी आप भी कर सकते हैं।

यहां जानिए क्या है सामान खरीदने का मुहूर्त ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न झा बताते हैं कि धनतेरस के दिन सामान खरीदने के कई शुभ मुहूर्त हैं। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को प्रातः 7:44 बजे से 9:00 बजे तक सामान खरीदने का शुभ मुहूर्त है। लेकिन अगर आप इतनी सुबह बाजार नहीं जा सके हैं तो आप दोपहर में भी सामान की खरीदारी कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दोपहर 12:05 बजे से दिन के 4:16 बजे तक भी सामान खरीदने का काफी शुभ मुहूर्त है।

इसके साथ ही अगर आप स्थिर लग्न और सबसे बेहतर मुहूर्त की बात करें तो दिन के 02:21 बजे से दिन के 3:52 बजे तक का समय सबसे उपयुक्त है। इस दौरान सामान की खरीदारी करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

इस दिन यह है प्रदोष काल का समय

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि धनतेरस के दिन प्रदोष काल कुल दो बार लगने वाला है। उन्होंने बताया कि शाम 5:42 बजे से रात 8:13 बजे तक प्रदोष काल रहेगा और रात 8:52 बजे से रात 1:35 बजे तक भी प्रदोष काल रहेगा। इसको देखते हुए ही आपको अपने सामान की खरीदारी करनी चाहिए।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार धनतेरस पर बुधादित्य योग का शुभ संयोग बन रहा है। जिस कारण धनतेरस का महत्व काफी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि धन त्रयोदशी तिथि का समापन रविवार को दिन के 1:54 बजे हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्णित कथाओं के अनुसार प्रदोष काल में समुद्र मंथन के समय भगवान धनवंतरी अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन को धनतेरस या धनत्रयोदशी कहा जाता है।

घर की सही दिशा में जलाएं सरसों के तेल का दीपक

सरसों के तेल का दीपक किस दिशा में जलाना चाहिए? अपने घर के सही दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

इसे जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह उपाय विशेष रूप से पूर्व या उत्तर दिशा में करना अधिक फलदायक होता है।

दीपक जलाने की विधि

एक छोटा दीपक लें और उसमें सरसों का तेल डालें।
इसे घर के मुख्य प्रवेश द्वार या पूजा स्थल की सही दिशा में रखें।
दीपक को सावधानीपूर्वक जलाएं और 15-20 मिनट तक जलने दें।
इस दौरान सकारात्मक सोच रखें और मन में घर की खुशहाली की कामना करें।

दीपक जलाने के लाभ

घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और नकारात्मक विचार और तनाव दूर होते हैं। साथ ही पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं और आर्थिक परेशानियों में राहत मिलती है।

तुलसी के पास अगर दीपक बुझ जाए तो क्या होता है? शुभ-अशुभ संकेत

हर हिंदू घर में तुलसी का पौधा सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है। सुबह-शाम तुलसी के पास दीपक जलाना मानो एक परंपरा का हिस्सा है जो घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का काम करता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि तुलसी के पास जलाया गया दीपक अचानक बुझ जाता है।

कहते हैं कि तुलसी माता घर की समृद्धि, स्वास्थ्य और शुद्ध वातावरण की प्रतीक हैं। तुलसी के पास हर शाम घी या तेल का दीपक जलाना शुभ माना गया है क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवी लक्ष्मी की कृपा घर में बनी रहती है। लेकिन अगर दीपक अपने आप बुझ जाए तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह संकेत देता है कि घर की ऊर्जा में कुछ गड़बड़ी हो सकती है या घर में किसी प्रकार की नेगेटिविटी प्रवेश कर रही है।

कई बार यह भी कहा जाता है कि अगर दीपक हवा से नहीं बल्कि खुद-ब-खुद बुझ जाए तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि तुलसी माता किसी कारण से नाराज हैं। हो सकता है आपने तुलसी की ठीक से सेवा नहीं की हो, जैसे सुबह पानी न देना, पौधे के पास गंदगी रह जाना या दीपक में तेल की कमी रखना। ये छोटी-छोटी बातें आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत मायने रखती हैं।

हालांकि, हमेशा इसे अंधविश्वास की नजर से नहीं देखना चाहिए। कभी-कभी दीपक बुझने के पीछे पूरी तरह वैज्ञानिक कारण भी हो सकता है जैसे हवा का झोंका, घी या तेल की मात्रा का कम होना या बाती का नमी से भीग जाना। इसलिए पहले कारण को समझना जरूरी है और फिर उसके अनुसार सुधार करना चाहिए।

अगर दीपक बार-बार बुझ रहा हो तो कुछ सरल उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले तुलसी के पौधे के आसपास सफाई रखें और रोज सुबह-शाम जल जरूर चढ़ाएं। दीपक जलाते समय पूरी श्रद्धा और ध्यान रखें कि उसमें पर्याप्त तेल या घी हो और बाती ठीक से लगी हो। अगर संभव हो तो कांच की ढक्कन वाली दीपदान का इस्तेमाल करें जिससे हवा लगने की संभावना कम हो जाए।

इसके अलावा, सोमवार और गुरुवार को तुलसी माता की विशेष पूजा करना बहुत शुभ माना गया है। आप तुलसी के पास दीपक जलाने से पहले भगवान विष्णु का ध्यान करें और तुलसी माता से घर की शांति और समृद्धि की प्रार्थना करें। यह माना जाता है कि ऐसा करने से न सिर्फ अशुभता दूर होती है बल्कि घर का वातावरण भी सकारात्मक बना रहता है।

अगर दीपक गलती से बुझ जाए तो घबराने या डरने की जरूरत नहीं है। बस शांत मन से दोबारा दीपक जलाएं, थोड़ी प्रार्थना करें और तुलसी के पास एक ताजा फूल चढ़ा दें। ऐसा करने से नेगेटिविटी खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा फिर से सक्रिय हो जाती है।

आध्यात्मिक दृष्टि से तुलसी माता को प्रसन्न रखना घर के हर सदस्य के लिए शुभ माना गया है। दीपक जलाना सिर्फ पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि यह घर के वातावरण को पवित्र और ऊर्जा से भरने का तरीका भी है। इसलिए हर बार जब आप तुलसी के पास दीपक जलाएं तो मन में श्रद्धा रखें, सकारात्मक सोच रखें और ध्यान रखें कि दीपक लंबे समय तक जले ताकि घर में सुख-शांति बनी रहे।

तुलसी के पास दीपक का बुझना हमेशा अशुभ नहीं होता, लेकिन यह एक संकेत ज़रूर होता है कि आपको अपने वातावरण और श्रद्धा दोनों पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए। थोड़ी सी सावधानी और भक्ति से आप घर में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रख सकते हैं।

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं।

फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।

गोलू गुप्ता की वापसी

श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह मिर्जापुर फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूं और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढ़िया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है।

इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।

फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था कांतारा चैप्टर 1 का क्लाइमैक्स सीन

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमेक्स की शूटिंग का वक्त, सूजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सूजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा। पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सक्सेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है।

'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन

'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है।

हम पर बहुत दबाव होता है

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत एक्टिव रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया। हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।'

टी ब्रेक तक नहीं पाते एक्टर्स

काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अक्सर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों ट्विंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।

कंगना रनौत ने खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना रनौत ने यह बात दिल्ली के एक इवेंट में कही। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे से गांव से किसी ने भी उनकी जैसी सफलता हासिल नहीं की है। इसके बाद उन्होंने अपनी जड़ों और बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की।

खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना ने फिर कहा, हो सकता है कि अन्य लोग इससे असहमत हों, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बेहद ईमानदार हूं, न केवल लोगों के साथ, बल्कि खुद के साथ भी। मैंने बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है। मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

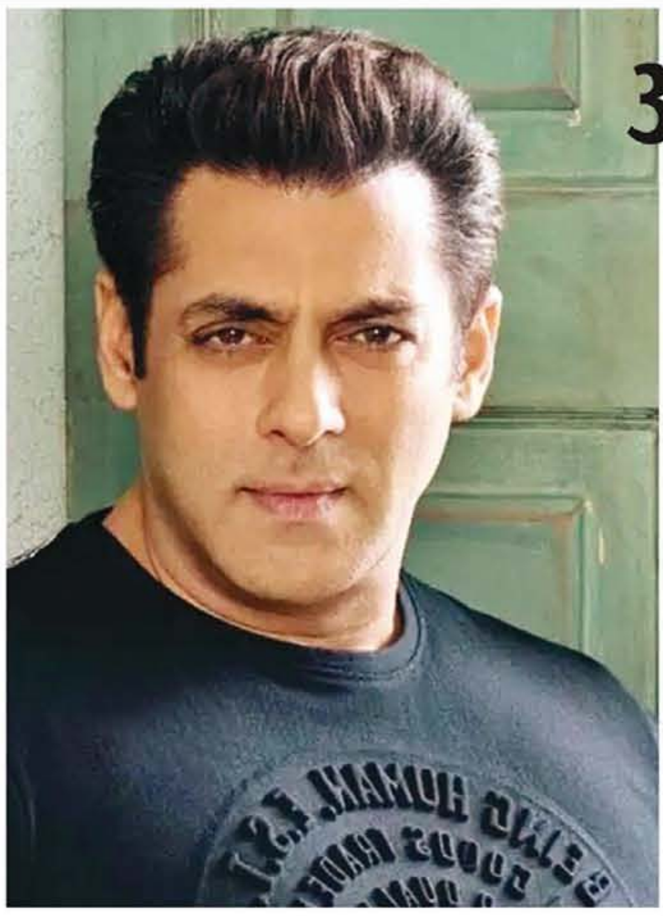

अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी

सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत

लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी

अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें

इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैलीं कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई

बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवां (बैटल ऑफ गलवां) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवां सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

अरिजीत ने मांगी माफी

जब मामला शांत नहीं हुआ, तो अरिजीत ने 2016 में सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। एक भावुक पोस्ट में, गायक ने कहा कि उनका कभी भी उन्हें अपमानित करने का इरादा नहीं था और यह पूरी घटना गलतफहमी का नतीजा थी। यह पोस्ट रातोंरात वायरल हो गई और फैंस ने सलमान से माफी स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस बारे में सार्वजनिक रूप से किसी ने बात नहीं की।

यूपी की पहचान है कारीगरों और उद्यमियों की सृजनशीलता : सचान

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नोएडा हाट, सेक्टर-33ए में आयोजित 'यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025' में उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग के मंत्री राकेश सचान ने पहुंचकर विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया।

मंत्री ने मेले में लगे स्टालों पर जाकर कारीगरों, उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों से संवाद किया। उन्होंने उनके द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, हथकरघा, खाद्य प्रसंस्करण, जैविक उत्पादों तथा पारंपरिक उद्योगों के विविध उत्पादों की सराहना की। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के कारीगरों और उद्यमियों की सृजनशीलता वास्तव में उत्तर प्रदेश की पहचान है। हमारे स्वदेशी उत्पाद न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों से गौतमबुद्धनगर में 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' का सफल आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025' का शुभारंभ हाल ही में विगत माह (सितंबर) में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इस आयोजन की अपार सफलता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 'यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला' आयोजित करने का निर्णय लिया है। मंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री का 'आत्मनिर्भर भारत' एवं 'विकसित भारत' का जो विज़न है, उसे साकार करने में यूपी ट्रेड शो और स्वदेशी मेले की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्रधानमंत्री के विज़न को साकार करने में सहयोग करें। दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा दें, और जीएसटी बचत का भी लाभ उठाएँ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेले में नागरिकों, कारीगरों और उद्यमियों की भारी सहभागिता देखी जा रही है, जिससे प्रदेश के स्वदेशी उत्पादों को नई पहचान और व्यापक बाजार मिल रहा है।

हापुड़ से नोएडा के बीच दौड़ रहीं डग्गामार बसें

नोएडा (चेतना मंच)।

हापुड़ से नोएडा के रूट पर बिना परमिट के कई बसें दौड़ रही हैं। परिवहन विभाग व यातायात पुलिस के कुछ अधिकारियों की सांठगांठ के चलते शासन को जहां भारी राजस्व की हानि हो रही है। वहीं इन बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों की जान भी खतरे में रहती है।

आपको बता दें कि हापुड, पिलखुवा, डासना, मसूरी, गाजियाबाद से सवारियां भरती हुई डग्गामार बसें नोएडा के सेक्टर-62 में प्रवेश करती हैं। इन बसों में सवारियां जानवरों की तरह भरी होती हैं। इन बसों के मालिकों की मिलीभगत से यूपी रोडवेज के बस चालक भी सवारियों को न बैठाकर तेज रफ्तार में बस स्टैंडों से निकाल लेते हैं। जिससे नोएडा आने वाले लोगों को मजबूरन इन बसों का सहारा लेना पड़ता है। हापुड़ से चलने वाली दर्जनों निजी बसें हापुड़ के पक्का बाग से सवारियां भरती है।

सूत्रों का कहना है कि इन बसों के संचालन की जानकारी नोएडा ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ विभाग को भी है। बसों के संचालकों द्वारा हर महीने विभाग को मोटा नजराना दिया जाता है। इन बसों के संचालित होने से यूपी रोडवेज को जहां हर महीने लाखों रूपये का नुकसान हो रहा है। वहीं यह बस चालक कई-कई बसों के मालिक बन बैठे हैं।

बिना परमिट के दौड़ रही बसें बिना फिटनेस और प्रदूषण नियमों का पालन कर सड़कों पर दौड़ रहीं हैं। इन सभी बसों में क्षमता से अधिक सवारियों को जबरजस्ती भरा जाता है।

हापुड़ से नोएडा के बीच संचालित होने वाली निजी बसों की हालत बेहद खराब है। इन बसों के शीशे टूटे हुए हैं। क्षमता से कई गुना सवारियां और सुरक्षा मानकों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है।

हापुड़-नोएडा रूट पर चलने वाले दैनिक यात्रियों का कहना है कि हापुड़, पिलखुवा, डासना, मसूरी, गाजियाबाद से रोजाना हजारों यात्री नोएडा, ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों के लिए इन बसों पर निर्भर हैं। लेकिन ये बसें सड़क पर मौत के सौदागर बन कर दौड़ रही हैं। व्यस्त समय में 50 सीट वाली बसों में 100-150 लोग ठूंस दिए जाते हैं। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर इन बसों के चालकों के द्वारा घोर लापरवाही बरती जाती है।

सोनू प्रधान बने कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष, हुआ स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर के कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा कि सोनू प्रधान के नोएडा महानगर अध्यक्ष ओबीसी विभाग का अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी और हमें आशा उम्मीद है कि सोनू प्रधानजी कांग्रेस पार्टी से ज्यादा से ज्यादा ओबीसी समाज के लोगों को जोड़कर उनको उनका हक दिलाने के लिए एकजुट करेंगे।

सोनू प्रधान पहले भी कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। इससे पहले वो नोएडा महानगर कांग्रेस महासचिव, पीसीसी सदस्य रहे हैं। इस अवसर पर सोनू प्रधान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जो अहम जिम्मेदारी मुझे सौंपी है मैं उसका तन मन धन से निर्वाह करूंगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व का खासकर मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सचिन पायलट, डॉ अनिल जयहिंद, अजय राय धन्यवाद करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव का भी धन्यवाद किया।

इस अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तवर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रिजवान चौधरी जिला महासचिव रूबी चौहान, अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ हरेन्द्र शर्मा, श्रीमती सरोज यादव, मनोज चौधरी, सच्चे तंवर, उधमसिंह नागर, यसराम तंवर आदि कांग्रेसी जन शामिल रहे।

नोएडा मीडिया क्लब ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने किया। क्लब के सदस्य पत्रकारों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ दीपावली का पर्व मनाया।

इस अवसर पर अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि दीपावली हमारी आस्था, परंपरा और सांप्रदायिक सद्भाव का अद्भुत संगम है। दीपावली रोशनी का पर्व है और दीपक प्रकाश का प्रतीक है, जो अंधकार को दूर करता है। दीया हमारे जीवन की रोशनी, सीख और आशा का प्रतीक है। यह हर्ष और उल्लास का त्योहार है।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायिका डॉ. बबीता शर्मा ने अपने मनमोहक भजनों से कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। उपस्थित अतिथियों ने उनके भजनों का आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

इस मौके पर नोएडा एंटरप्रेन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन एवं उनकी टीम, समाजसेवी एवं उद्योगपति पीयूष द्विवेदी, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष विकास जैन, बाबा बालक नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर धीरज महाराज, शिव शक्तिपीठ के यश महाराज, वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री, राणा यशवंत, संजय गिरी, राजनीतिक विशेषज्ञ सुनील कौशिक, ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब के अध्यक्ष आदेश भाटी, समाजसेवी यू.के. भारद्वाज, नोएडा के डीसीपी यमुना प्रसाद एवं एसीपी प्रवीण कुमार सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, रविकांत मिश्रा, अमित त्यागी, नीता बाजपेई, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, यतेन्द्र शर्मा, पुरुषोत्तम नागर, सपा नेता राघवेंद्र दुबे, सुभाष भाटी, आरएलडी से विजेंद्र यादव सहित शहर के कई लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों और पत्रकारों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और समाज में आपसी सद्भाव, एकता और प्रकाश फैलाने का संकल्प लिया।

उप्र. युवा व्यापार मंडल ने मनाया दीपावली मिलन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल में उसकी सहयोगी यूपी रिहायशी टीम द्वारा कल नोएडा के सेक्टर-22 में देसी लोग देसी दीवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक और प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल थे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंधकार में प्रकाश को विराजमान करना है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन रहे व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने की।

प्रदेशाध्यक्ष विकास जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे हर घर में मिट्टी के दिए जलाये किए जाएं और हम सभी को मिलकर बाज़ारों में जाकर मिट्टी के लिए ख़रीद कर उन निर्धन लोगों की दीवालीं रोशन करनी है जो सड़कों पर बैठकर और पिछले कई महीनों से मेहनत कर मिट्टी के दिए बना रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमुख उद्योगपति पीयूष द्विवेदी यशिका डायमंड के स्वामी विनय गर्ग भारत विकास परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र गंगल जी अग्रवाल मित्र मंडल के कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता भारत विकास परिषद के महामंत्री राम रतन शर्मा की उपस्थिति रही।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रवीण गर्ग, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, प्रदेश मंत्री शिवा चौहान, मनीष शर्मा, क्रॉकरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश, जिंदल उद्योग प्रकोष्ठ से अध्यक्ष शक्तिसिंह, उपाध्यक्ष अमित गोयल, निमित्त, महिला प्रकोष्ठ से चारु जैन, आरती कोचर, रिहायशी टीम से रमन तलवार, निशात सरावत, अजय, सोनी, अमित कपूर, नितिन अग्रवाल, हेमंग भारद्वाज, निमंशु, समा, आदित्य तलवार, श्याम चंद्रा आदि लोग उपस्थित हुए।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रांत यादव की माता जी स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी की दूसरी पुण्यतिथि पर सहसवान ब्लाक में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा। श्रीमती स्वर्गीय शांति देवी के सुपुत्र पूर्व एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जितेंद्र यादव, बदायूं की जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वर्षा यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रांत यादव, सहसवान ब्लाक प्रमुख श्रीमती कीर्ति यादव ने भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

ऋषिपाल दंगल में पहलवान अनिरूद्ध ने जीती सबसे बड़ी कुश्ती

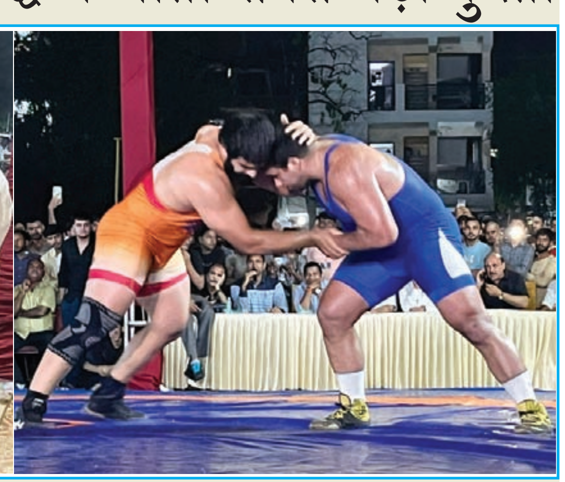

नोएडा (चेतना मंच)।

31वां अखिल भारतीय ऋषिपाल विशाल दंगल का आयोजन ऋषिपाल क्रीड़ा-स्थल, सेक्टर-15, नयाबॉस, नोएडा में किया गया। जिसमें 80 किलो से अधिक के पहलवानों की ऋषिपाल केसरी टाइटल कुश्ती हुई। दंगल में कुल छः लाख से अधिक रुपए के ईनाम पहलवानों को दिए गए।

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के प्रेस प्रवक्ता व सदस्य प्रचार-प्रसार समिति धर्मवीर चौधरी व मनीष चौधरी ने बताया कि सबसे बड़ी कुश्ती पहलवान अनिरुद्ध छत्रसाल स्टेडियम ने जीती जिसका इनाम 1,01,000/- था तथा उपविजेता पहलवान सत्येंद्र मलिक छत्रसाल स्टेडियम को 51,000/- ईनाम दिया गया। तीसरे स्थान पर पहलवान प्रदीप पूनिया नेवी अखाड़ा अखाड़ा रहे जिन्हें 21हजार रुपए का ईनाम दिया गया। चौथे स्थान पर पहलवान रोहित लीलू अखाड़ा रहे जिन्हें 11,000 का इनाम दिया गया। इसी प्रकार अन्य पहलवानों को भी इनाम दिए जाएंगे जिसमें 64 कुश्तियां टाइटल के लिए हुई। महिला पहलवानों की 10कुश्तिया हुई जिसमें प्रथम विजेता पहलवान मानशी भड़ाना रही, जिसको 11,000/- का इनाम दिया गया तथा बाल पहलवानों की 100 कुश्तियां हुई। कुल तकरीबन 200 से अधिक कुश्तियां हुई और 100 से अधिक पहलवान ने हिस्सा लिया। पहलवानों का वेट सुबह 9 बजे से 11 बजे तक ही लिया गया।

अतिथि के रूप में क्रांति शेखर (विशेष कार्याधिकारी) नोएडा प्राधिकरण, ब्रजेश सिंह जेल सुपरिटेंडेंट, सुरजीत जेलर लुक्सर, पूर्व आईएएस एनपी सिंह, गणेश शंकर त्रिपाठी (सेवानिवृत आईएएस), हिन्द केसरी जयप्रकाश पहलवान, लखीराम नागर (पूर्व मंत्री), नवाब सिंह नागर (पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश) जेपी छावडी (पूर्व मेयर, दिल्ली) जीएस अवाना, डीसीपी (सेवानिवृत्त), विजय रावल उप महाप्रबंधक (नोएडा विकास प्राधिकरण), डॉ. विपिन (टीम पेरिस ओलंपिक फिजियो), आदित्य अवाना (ओलंपिक कोच), बबीता नागर, आदि उपस्थित रहे। दंगल में देश के जाने-माने पहलवानों के साथ-साथ गुरु खलीफा तथा कुश्ती जगत की जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रही।

दंगल की रेफरशीप एनआईएस कोच नेत्रपाल, अनिल मान, वीरेंद्र मलिक, विक्रम, नवल किशोर, ललित कुमार आदि ने की।

ट्रस्ट के ट्रस्टी धर्मवीर सिंह, रामपाल लालजी, राजू बक्शी, कृपाराम शर्मा, जाहन सिंह नागर, सतीश अवाना प्रमुख, वेद प्रकाश प्रधान, राजकुमार चौधरी, सुमैर रावत, ओमेंद्र प्रधान, मनीष चौधरी, ओमवीर कराहना, वीरेंद्र सिंह कसाना, रोहतास अवाना, सुरज प्रधान, नरेश गुप्ता, महेंद्र सिंह अवाना आदि उपस्थित रहे।

450 किलो खोया व 100 किलो नकली पनीर किया नष्ट

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह, विशाल गुप्ता एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा सूरजपुर स्थित सोनू पनीर भंडार से पनीर का 1 नमूना तथा संगम स्वीट से खोया से 1 नमूना संग्रहीत किया गया। दूषित अवस्था में मिले उक्त पनीर जो कि लगभग 100 किग्रा था, तत्काल प्रभाव से नष्ट करा दिया गया। वहीं एक अन्य कार्रवाई जो कि ज़ेवर टोल प्लाजा जेवर पर सुबह की गई वहाँ पर कौशल कुमार शर्मा के वाहन से ले जा रहे खोया का निरीक्षण किया गया एवं प्राथमिक परीक्षणों में फेल होने के कारण लगभग 450 किग्रा खोया का 1 नमूना लेकर अवशेष नष्ट करा दिया गया। उक्त कार्यवाही विजय बहादुर पटेल व रविन्द्र वर्मा खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मालती द्वारा दनकौर स्थित शिव नमकीन भंडार से नमकीन का 01 नमकीन का नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 4 नमूने जांच हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।